डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 4

वर्ष : 21 | अंक : 19 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 08 जून से 14 जून 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

जयपुर के मालवीय नगर में नूरानी मस्जिद को अतिक्रमण मानकर जमींदोज़ किया

-प्रशासन ने मस्जिद के साथ-साथ कुछ मंदिर, सत्संग भवन एवं मदरसे को भी सड़क मार्ग में अतिक्रमण मानकर हटा दिया

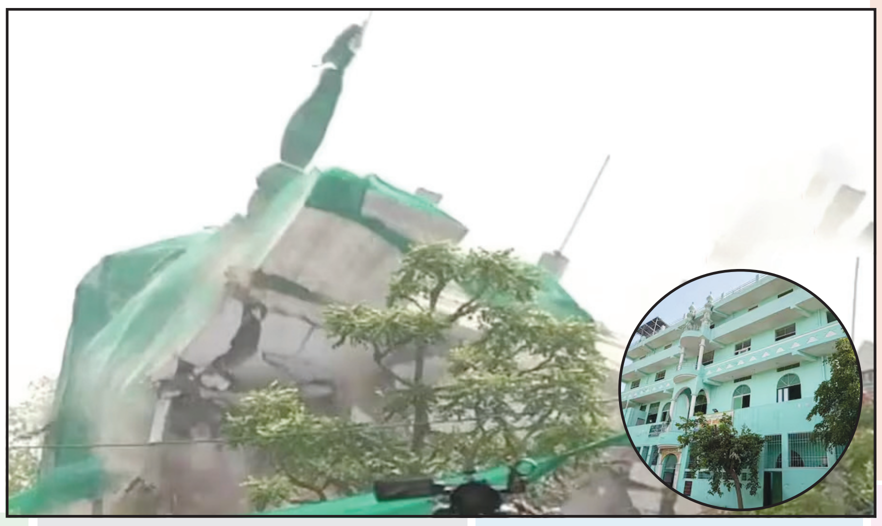

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रशासन ने मालवीय नगर में नए मास्टर प्लान के अनुसार सड़क की चौड़ाई 80 फीट करने को लेकर यहां स्थानीय नूरानी मस्जिद, दो छोटे मंदिर और एक सत्संग भवन पर बुलडोजर चलाकर जमींदोज़ कर दिया गया। नए मास्टर प्लान के अनुसार 80 फीट रोड में सभी धर्मों के धार्मिक स्थल होने के कारण जयपुर प्रशासन ने किसी अनहोनी से बचने के लिए भारी पुलिस बल एवं अर्ध पुलिस बलों का इंतजाम किया था। सोमवार 8 जून को सुबह 12:00 बजे से ही जयपुर के 42 थानों क्षेत्रों में इंटरनेट बंद कर दिया गया था।

वक्फ़ बोर्ड का रवैया

वक्फ़ बोर्ड चेयरमैन डॉ. खानु खान ने बताया कि वक्फ़ बोर्ड ने मस्जिद के सभी दस्तावेज वक्फ़ ट्रिब्यूनल के सामने प्रस्तुत किये और मस्जिद को तोड़ने से बचाने के लिए मुकदमा दायर किया। ट्रिब्यूनल में माननीय न्यायाधीश 10 जून को सुनवाई करने वाले थे, लेकिन जेडीए ने पहले ही मस्जिद को तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि जेडीए प्रशासन और सरकार का यह मनमाना रवैया है, जो कानून संगत नहीं है। जेडीए ने पूर्व में मस्जिद कमेटी और वक्फ़ बोर्ड को एक भी नोटिस मस्जिद को अतिक्रमण मानने का नहीं दिया।

अतिक्रमण क्यों हटाया गया

इस सड़क की चौड़ाई करीब 25-30 फीट की थी, सड़क पर कुछ अतिक्रमण भी हो गए थे। सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण यहां अक्सर ट्रैफिक जाम रहता था। जबकि इस सड़क से आगे 10-12 आवासीय योजना जुड़ती हैं। इसलिए जेडीए प्रशासन ने कुछ वर्षों पहले नया मास्टर प्लान बनाया था और रोड की चौड़ाई 80 फीट करने की योजना बनाई। सड़क के किनारे एक सोसाइटी ने 1980 से पहले प्लाट काटे थे। सोसायटी की योजना में सड़क की चौड़ाई 25-30 फीट बताई जा रही है। सड़क के दोनों ओर जेडीए के द्वारा हटाए गए अतिक्रमण चाहे आवासीय हों या धार्मिक वहां के स्थानीय निवासियों के द्वारा खरीदे गए थे। जेडीए प्रशासन ने खरीदे गए प्लाटों को अतिक्रमण माना जो सही नहीं कहा जा सकता है।

नूरानी मस्जिद के बारे में

उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार प्लॉट संख्या 63 अशोक विहार (वर्तमान मालवीय नगर) स्थित 391 वर्ग गज भूमि को 2 जुलाई 1981 को श्री मुस्तकीम पुत्र श्री अब्दुल रहमान मंसूरी द्वारा खरीदा गया। उसे समय उक्त भूखण्ड के सामने लगभग 30 फीट चौड़ी प्रस्तावित सड़क दर्शाई गई। स्थानीय मुसलमाननों ने चंदा एकत्रित करके 1981 में मस्जिद का निर्माण करवाया। तब से ही मस्जिद में पांच वक्त की नमाज़ पढ़ी जाती रही है और धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधि संचालित होती रहती थीं। नूरानी मस्जिद का वक्फ़ बोर्ड में रजिस्ट्रेशन 28 अप्रैल 1988 को किया गया जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर 5235 है। मस्जिद में वर्षों से विद्युत एवं अन्य नागरिक सुविधाएं रही हैं। उपलब्ध रिकॉर्ड से यह भी संकेत मिलता है कि विभिन्न सरकारी एजेंसियां लंबे समय से इस परिसर के अस्तित्व से परिचित थीं। रिकॉर्ड और वक्फ़ बोर्ड में रजिस्ट्रेशन के आधार पर मुस्लिम समुदाय मानता है कि मस्जिद की ज़मीन अतिक्रमण पर नहीं थी।

मस्जिद कमेटी ने क्या किया

जेडीए प्रशासन ने दिनांक 5 जून 2026 को मस्जिद को अतिक्रमण मानते हुए मस्जिद कमेटी को नोटिस दिया और सड़क मार्ग से इसे हटाने के लिए कार्यवाही शुरू की। मस्जिद कमेटी ने 6 जून को जेडीए के सामने निम्न प्रमुख तथ्य लिखित में प्रस्तुत किये-

1. मस्जिद 1981 से अस्तित्व में है।
2. संपत्ति राजस्थान वक्फ़ बोर्ड में पंजीकृत है।
3. जेडीए द्वारा शुल्क स्वीकार किए गए हैं।
4. परिसर पर किसी प्रकार का नया निर्माण नहीं किया गया है।
5. मस्जिद स्थानीय मुस्लिम समुदाय की धार्मिक आस्थाओं का प्रमुख केंद्र है।
6. यदि सड़क विस्तार के लिए भूमि की आवश्यकता है तो समुदाय वैकल्पिक व्यवस्था पर बातचीत के लिए तैयार है।
7. मस्जिद को तोड़ने से पूर्व वैकल्पिक व्यवस्था और निष्पक्ष सुनवाई आवश्यक है।

मस्जिद और अन्य धार्मिक स्थल तोड़ने से पहले इंटरनेट बंद किया

जयपुर पुलिस प्रशासन ने 8 जून को सुबह 12:00 बजे से ही जयपुर के 42 पुलिस थाना क्षेत्रों में इंटरनेट बंद कर दिया। मामला सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों का होने के कारण सरकार, जेडीए प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने किसी अनहोनी से बचने के लिए अतिरिक्त उपाय किये। यही कारण है कि जयपुर में धार्मिक स्थल हटाने के बाद भी शांति बनी हुई है। मालवीय नगर क्षेत्र में पुलिस की अतिरिक्त संख्या तैनात की गई, आस-पास के मकानों में भी पुलिस के जवान तैनात किए गए। धार्मिक स्थलों को बुलडोजर द्वारा हटाने की फोटोग्राफी की भी किसी को इजाजत नहीं दी गई। पत्रकारों को घटना स्थल पर नहीं जाने दिया। कार्यवाही में शामिल पुलिस बलों को भी किसी तरह फोटो खींचने से सख्ती से मना किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एसएमएस में ओपीडी सेवाओं का किया औचक निरीक्षण

- ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्था, मेडिसिन सहित साफ-सफाई की ली जानकारी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर ओपीडी सेवाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की ओपीडी में चिकित्सा व्यवस्थाओं, दवाओं, जांच सहित साफ-सफाई के संबंध में अस्पताल प्रशासन से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने रोगियों एवं उनके परिजनों से आत्मीयता से बातचीत की तथा उनसे मिले फीडबैक के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भीलवाड़ा दौरे से जयपुर वापसी पर अचानक एसएसएस अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने धन्वंतरी भवन में ओपीडी सेवाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मेडिसिन, ऑर्थो, कार्डियो, न्यूरो सहित अन्य विभागों की ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल देश का प्रतिष्ठित अस्पताल है। यहां प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के रोगी भी उपचार के लिए आते हैं, जिसके चलते रोगी भार अधिक रहता है। इसे देखते हुए अस्पताल प्रशासन सेवाओं में विस्तार और तकनीकी उपाय अपनाकर रोगियों को सुगम एवं सुलभ उपचार उपलब्ध करवाए। उन्होंने कहा कि रोगियों को जांच और दवाओं के लिए अन्यत्र नहीं जाना पड़े, इसके लिए संबंधित विभाग की ओपीडी में ही जांच और दवा काउंटर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं, उन्होंने अस्पताल परिसर में रोगियों और उनके परिजनों के लिए बैठने एवं पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ ही साफ-सफाई रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार सवाई मानसिंह अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बना रही है, जिससे यहां मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके। विगत ढाई वर्ष में एसएमएस में स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। इसके लिए चिकित्सा विभाग एवं अस्पताल प्रशासन साधुवाद के पात्र है। लेकिन जहां भी सुधार की गुंजाइश है, वहां जरूरी कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, एसएसएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी सहित चिकित्सक एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल सरकार करवाएगी मदरसों का राज्यव्यापी सर्वे

-पांच जुलाई तक मांगी रिपोर्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन के साथ ही फैसलों का दौर शुरू हो गया है। राज्य सरकार ने मदरसों के कामकाज, बुनियादी ढांचे और उनकी कानूनी स्थिति की जांच के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने पूरे राज्य में मदरसों के व्यापक सर्वेक्षण का आदेश दिया है। इस संबंध में अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग द्वारा पांच जून को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे पांच जुलाई तक अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपें।

क्यों हो रहा है यह सर्वे?

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य यह जांचना है कि सभी संस्थान मौजूदा नियमों के तहत चल रहे हैं या नहीं। इसके साथ ही यह भी देखा जाएगा कि उनके पास आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हैं या नहीं। यह कदम पश्चिम बंगाल में 15 साल पुराने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासन के अंत और भाजपा के सत्ता में आने के ठीक एक महीने बाद उठाया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, जिला प्रशासनों को विभिन्न बिंदुओं पर डाटा एकत्र करने के लिए कहा गया है। इसमें मदरसों के स्थान, स्थापना का वर्ष, पंजीकरण का विवरण और वैध दस्तावेजों की उपलब्धता शामिल है। इसके अलावा छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या का विवरण भी मांगा गया है।

भविष्य की नीतियों के लिए नया डाटाबेस

इस कवायद का उद्देश्य एक अद्यतन डाटाबेस तैयार करना है। इससे मदरसा शिक्षा क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं को तैयार करने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य विशुद्ध रूप से प्रशासनिक है। सरकार राज्य में मदरसा शिक्षा की एक व्यापक तस्वीर चाहती है। इसी सत्यापित जानकारी के आधार पर भविष्य की नीतियां, छात्र कल्याण के उपाय और रख-रखाव से जुड़े फैसले लिए जाएंगे। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट करना होगा कि ये संस्थान आवासीय हैं, निजी तौर पर सहायता प्राप्त हैं या बिना सहायता के चल रहे हैं। इसके साथ ही वहां पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों का पूरा विवरण देना होगा।

नियमों का उल्लंघन होने पर होगी जांच

प्रशासनिक सूत्रों के संकेत के अनुसार, समीक्षा के दौरान यदि कोई अनियमितता या अनाधिकृत गतिविधियां पाई जाती हैं, तो उनकी अलग से जांच की जाएगी। हालांकि, मदरसों की ओर से अपनाए जा रहे मौजूदा शैक्षणिक ढांचे या पाठ्यक्रम को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। बंगाल में सत्ता बदलने के बाद से शिक्षा क्षेत्र में लगातार कई नीतिगत पहल की जा रही हैं। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने हाल ही में राज्य भर के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ मदरसों में भी सुबह की प्रार्थना के दौरान 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य कर दिया है।

ममता बनर्जी खुद सांसद बनना चाहती हैं?

-पठान से इस्तीफा मांगने की खबर पर मचा हंगामा, सौरव-यूसुफ ने दी सफाई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवाने के बाद टीएमसी चीफ ममता बनर्जी इन दिनों सुर्खियों में हैं। अब बहरामपुर लोकसभा सीट को लेकर हंगामा मचा हुआ है। बवाल ऐसा मचा कि सौरव गांगुली और यूसुफ पठान दोनों को सफाई देनी पड़ी। दरअसल, बंगाल के अखबार में छपी खबर में दावा किया गया कि विधानसभा सीट हारने के बाद अब ममता बनर्जी सांसद बनकर दिल्ली की राजनीति में सक्रिय होना चाहती हैं। वह बहरामपुर सीट से लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहती हैं। ये वही सीट है जहां से यूसुफ पठान सांसद हैं।

खबर पर क्यों मच गया हंगामा?

खबर में दावा किया गया कि ममता बनर्जी ने सौरव गांगुली से कहा कि वह यूसुफ पठान से बात करें कि वह इस सीट को छोड़ दें, जिससे कि वहां पर उपचुनाव हों और वह सांसद बनकर दिल्ली पहुंच सकें।

शेष पृष्ठ 2 पर....

दिल्ली होटल अग्निकांड में लोगों की जान बचाने वाले रियाजुद्दीन मंसूरी को मिला बड़ा इनाम

नई दिल्ली। नई दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौज रानी होटल अग्निकांड के दौरान अपनी जान और कारोबार की परवाह किए बिना कई लोगों की जान बचाने वाले दुकानदार रियाजुद्दीन मंसूरी और उनके बेटे अरमान मंसूरी को सम्मानित किया गया। संकट की घड़ी में दिखाए गए साहस, मानवता और निःस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें 1 लाख रुपये की नकद सहायता राशि दी गई। दरअसल, होटल में आग लगने के दौरान चारों ओर अफरा-तफरी का माहौल था। ऐसे समय में रियाजुद्दीन मंसूरी ने अपने गद्दे और अन्य सामान लोगों की मदद के लिए उपलब्ध कराए, जिससे कई लोगों की जान बच सकी। लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास में उन्हें स्वयं आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह किए बिना मानवता का परिचय दिया। उनके इस सराहनीय कार्य को देखते हुए सरदार पटेल सेवा दल (रजि.) के पैटर्न वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश गुप्ता, अध्यक्ष अधिवक्ता वीरेन्द्र कसाना और संगठन के अन्य पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे और रियाजुद्दीन मंसूरी को 1 लाख रुपये की नकद सहायता राशि भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आपदा और संकट के समय निःस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करने वाले नागरिक समाज की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। रियाजुद्दीन मंसूरी और उनके बेटे ने जिस साहस और संवेदनशीलता का परिचय दिया है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि मानवता की यह मिसाल लंबे समय तक लोगों को याद रहेगी और दूसरों की सहायता के लिए आगे आने की प्रेरणा देती रहेगी। मालवीय नगर अग्निकांड के दौरान रियाजुद्दीन मंसूरी द्वारा दिखाया गया साहस आज उन्हें इलाके का हीरो बना चुका है।

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का नाम अब 'मां वाग्देवी भोजपाल यूनिवर्सिटी' होगा

-जानें क्यों रखा गया ये नाम

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल के बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने बुधवार 3 जून को विश्वविद्यालय का नाम बदलकर 'वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय (Maa Vagdevi Bhojpal University)' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अकादमिक ढांचे में भी बदलाव तय किए गए हैं। कार्य परिषद से मंजूरी मिलने के बाद प्रस्ताव को राज्यपाल मंगुभाई पटेल के पास भेजा गया। प्रस्ताव में राजा भोज और स्वतंत्रता सेनानी बरकतउल्ला भोपाली की तुलना भी की गई।

राजा भोज की विरासत का दिया गया हवाला

प्रस्ताव में राजा भोज के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक योगदान का उल्लेख किया गया। प्रस्ताव में कहा गया, 'राजा भोज की तुलना में बरकतउल्ला भोपाली के भोपाल निवासी होने से अधिक इस क्षेत्र के लिए किसी प्रकार का योगदान नजर नहीं आता है'।

शेष पृष्ठ 2 पर....

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
Real estate | Facilities & Hospitality | Construction Services
For Booking Commercially Approved Loanable Shops Size 11x24 Moti Dungari Road, Opp. Shankar Namkeen Bhandar, Jaipur
"One Prime Location, Endless Business Growth! Commercially approved **11x24 shops** on Moti Dungri Road — the ultimate spot for your Medical Store, Clinic, Kirana, Grocery, Garments, Crockery, or Jewellery showroom with guaranteed high footfall."
₹1.25Cr*
www.greatrealityplus.com | greatplusfm03@gmail.com
GreatRealityPlus
+91 8386 94 70 05

जयपुर के 'हार्ट' में बिजनेस को दें नई उड़ान
'मयंक ट्रेड सेंटर' बना नया कॉर्पोरेट हब
शॉप & ऑफिस प्राइस 20 लाख To 2 Cr
100% लोन उपलब्ध

रेंटल इनकम & इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटी
सिंधी कैंप व चांदपोल मेट्रो स्टेशन के पास बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ लिफ्ट पार्किंग सुविधा उपलब्ध
शॉप व ऑफिस 150 To 1500 SQ. FT. उपलब्ध
लोअर ग्राउंड, ग्राउंड फ्लोर, 1st, 2nd & 3rd फ्लोर उपलब्ध
For More Information
Please Call
9772552446
9828017765
मयंक ट्रेड सेंटर, स्टेशन रोड, नियर सिन्धी कैंप मेट्रो स्टेशन, जयपुर 302001

रात्रिकालीन टूर्नामेंट में लईक अहमद ने शिरकत कर खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिले के बेहतेड कस्बे में आयोजित हो रही रात्रि कालीन क्रिकेट टूर्नामेंट खेलदार प्रीमियर लीग (KPL 2026) में लईक अहमद सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान ने रविवार रात शिरकत की एवं प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। लईक अहमद ने अपने संबोधन बताया की युवाओं को खेलकूद में भाग लेना जरूरी है जिससे भागदौड़ भरी जिंदगी से तनाव मुक्त युवा रहे व ऐसे टूर्नामेंट होने से गांव कस्बे से प्रतिभाएं आगे आए ओर राज्य व देश में अपने गांव कस्बे का नाम रोशन करें, अपने माता-पिता का नाम रोशन करें। उन्होंने बताया कि इस शानदार प्रतियोगिता को आयोजित करने के लिए आयोजकों की पूरी टीम की काफी मेहनत रही है उन्हें बेहतरीन कार्य करने के लिए बहुत-बहुत बधाई आभार। ऐसी प्रतियोगियों के माध्यम से अनेकों अनेक प्रतिभाओं को निखरने का सफल अवसर प्राप्त होता है।

जिस्म की तपिश से

हमारा दिल है ये इसको ना आज़ार करो
तेरे क़रीब हैं दिल के ज़रा प्यार करो
कहा किसने हर किसी का ऐतबार करो
मजाज़ी इश्क़ गर हो तो बार- बार करो
ख़फ़ा हूं इस ख़बर से कैसे हूं बेख़बर
ऐसी ख़बर से हमको भी खबरदार करो
सुलगते आईने हैं जिस्म की तपिश से
तड़क ना जाए कहीं जिस्म आबदार करो
मैं जानता हूं बदलना यहां सभी को है
मिरे हक़ में जो बदले वो कारोबार करो
मेरी नज़र में तेरा क्या मयार ना पूछो
निगाह पैनी और किरदार धारदार करो
हमें क़फ़स में रखने के हैं शौक़ीन बहुत
हक़ीक़तों का कहा मान समझदार बनो

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

अखबार बांटने के लिए हॉकर्स की आवश्यकता है

जयपुर से प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय अखबार "रॉयल पत्रिका" को जयपुर में अख़बार बांटने के लिये पढ़े-लिखे युवकों की आवश्यकता है । वेतन रु. 10 -15 हजार+पेट्रोल+इन्सेंटिव ।
तुरन्त संपर्क करें – मोबाइल: 97995 59096

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।
-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।
अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।
-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

चौमूं विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों पर मुख्यमंत्री से चर्चा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विधायक डॉक्टर शिखा मिल बराला ने शुक्रवार को जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन सौंपकर चौमूं विधानसभा क्षेत्र में पेयजल संकट को दूर करने अधूरे विकास कार्य को पूरा करने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने की मांग कि है। विधायक ने क्षेत्र में व्याप्त पेयजल समस्या पर चिंता जताते हुए आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू और नियमित करने की मांग की है। साथ ही वर्ष 2008 के बाशा टोल आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए वापस लेने का आग्रह किया है।

विधायक ने विकास कार्यों की मांग की:-
ज्ञापन में बताया कि हाड़ोता टाकरदा बायपास, अनंतपुरा रोड और कचोलिया रोड, पर स्वीकार नाला निर्माण कार्य सहित अन्य परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करवाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा सामोद, रोप वे परियोजना, चौमूं रेनवाल मार्ग, चौमूं महार कला मार्ग, चौमूं चंदवाजी मार्ग के शुद्धिकरण पर भी बात की साथ ही चौमूं क्षेत्र में अपराधों पर नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की मांग की।

चौमूं नगर परिषद के सामने आरएलपी का महंगाई, पेपर लीक को लेकर जोरदार प्रदर्शन

-एसडीएम को राज्यपाल के नाम का ज्ञापन सौंपा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। बस स्टैंड पर महंगाई, पेपर लीक को लेकर आरएलपी नेता छुट्टन यादव के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया। हजारों कि संख्या में आरएलपी कार्यकर्ताओं ने चौमूं नगर परिषद के सामने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पुतला फूंका छुट्टन यादव ने कहा कि राजस्थान सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। महंगाई, पेपर लीक ने जनता की कमर तोड़ दी है। चारों और भूमाफिया का बोलबाला हो रहा है। फिर भी भजनलाल सरकार के कानो में जु तक नही रेंग रही है आने वाले वक्त में जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। इस सरकार से हर आमजन पूरी तरह से परेशान हो चुका है ना महिलाएं सुरक्षित है, महंगाई, पेपर लीक, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। आरएलपी कार्यकर्ताओं ने जोर-जोर से भजनलाल सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाए। यह कार्यकर्ता मौजूद रहे कालूराम यादव, अर्जुन यादव, कैलाश यादव, मौसीम, इरशाद अली, सादाब खान, टीपू खान, मोहन जाट, गोपाल जाट, रमेश कुमार शर्मा, अमर सिंह, सिराज मोहम्मद, कालू सैनी, गोपी सैनी, गोपाल जाट, वलीउररहमान, संजय खान, सलमान कुरैशी, मजीद स्या आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

जयपुर में युवती की संदिग्ध मौत की निष्पक्ष जांच की मांग

-कांग्रेस ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र – डॉ. सुमित गर्ग

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के प्रताप नगर क्षेत्र में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता डॉ. सुमीत गर्ग ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में घटना को अत्यंत दुखद और चिंताजनक बताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

पत्र में कहा गया है कि 6 जून 2026 को प्रताप नगर निवासी युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई। गुमशुदगी की सूचना समय रहते पुलिस को दिए जाने के बावजूद अगले ही दिन शव बरामद होना कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करता है। यह मामला केवल एक परिवार की पीड़ा तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा और आमजन के विश्वास से जुड़ा हुआ है। डॉ. गर्ग ने मुख्यमंत्री से मामले की उच्चस्तरीय एवं समयबद्ध जांच कराने, विशेष जांच दल (एसआईटी) अथवा किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच करवाने की मांग की है। साथ ही घटना में शामिल सभी दोषियों एवं सहयोगियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही है। पत्र में पुलिस प्रशासन की संभावित लापरवाही की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा मामले का शीघ्र निस्तारण फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कराने की भी मांग की गई है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी और सुदृढ़ कार्ययोजना लागू करने पर जोर दिया गया है। कांग्रेस ने उम्मीद जताई है कि राज्य सरकार इस संवेदनशील मामले में व्यक्तिगत हस्तक्षेप कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने तथा प्रदेश की जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था के वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था के वृक्षारोपण अभियान 2026 का शुभारंभ डाकघर कार्यालय रेनवाल रोड, चौमूं पर मुख्य पोस्ट मास्टर लल्लू राम मीणा के आतिथ्य एवं संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के सानिध्य में पीपल का पेड़ लगाकर किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हम सबको प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति एक पेड़ लगाकर उसका संतान की तरह लालन पालन करना चाहिए, चौमूं तहसील अध्यक्ष गजानंद शर्मा ने कहा कि संस्था के द्वारा हर वर्ष की भांति

वर्षा काल में 1100 फलदार एवं इसी प्रकार चौमूं तहसील के स्थित के थाना अधिकारी हरवेद्र सिंह ने भी छायादार पेड़ वितरित करते हुए कहा कि एक वृक्ष 100 पुत्रों के सम्मान होता है। वृक्षारोपण करना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। इसलिए पेड़ लगाने एवं उनकी देखभाल करने का आह्वान भी किया एवं विभिन्न स्थानों पर पेड़ लगाए जाएंगे। इस अवसर पर गजानंद शर्मा, सुभाष तिवारी, अंजना सैनी, सौरभ शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शेरपुर में बसपा का एक दिवसीय संगठन समीक्षा एवं कैडर कैम्प सम्पन्न

करौली (रॉयल पत्रिका)। बहुजन समाज पार्टी जिला करौली के तत्वावधान में विधानसभा करौली एवं पंचायत समिति शेरपुर-सूरौठ क्षेत्र का एक दिवसीय संगठन समीक्षा एवं कैडर कैम्प रविवार को अंबेडकर पार्क, शेरपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक पार्टी विस्तार, आगामी राजनीतिक रणनीति तथा कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसपा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सुमरत सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में सुरेश धर्मपुरा एवं अशोक नीलायुग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दौलत सिंह जाटव (जिलाध्यक्ष, बसपा करौली) ने की।

मुख्य अतिथि सुमरत सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने तथा समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में बसपा को मजबूत बनाने के लिए पंचायत स्तर से संगठन को सशक्त करना आवश्यक है। आगामी पंचायत चुनावों में अधिक से अधिक बसपा समर्थित जनप्रतिनिधियों को विजयी बनाकर भविष्य में मजबूत राजनीतिक विकल्प तैयार करना होगा। बैठक में संगठनात्मक समीक्षा करते हुए विभिन्न पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से क्षेत्रवार रिपोर्ट ली गई तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने पार्टी संस्थापक कांशीराम साहब एवं बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती जी की विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर कई कार्यकर्ताओं को बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई तथा संगठनात्मक दायित्व सौंपे गए। ओम प्रकाश पैटोली को विधानसभा अध्यक्ष करौली, लाखन सिंह जाटव (वर्तमान सरपंच, शेरपुर) को पंचायत समिति शेरपुर प्रभारी, विक्रम सिंह डांगुर को पंचायत समिति शेरपुर अध्यक्ष तथा अभिषेक डांगुर को सेक्टर अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। इन सभी को प्रदेश अध्यक्ष सुमरत सिंह द्वारा नियुक्ति प्रदान की गई।

रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री शर्मा और जलदाय मंत्री का जताया आभार

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूं में पेयजल समाधान हेतु 5 नए नलकूप की स्वीकृति जारी की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को पत्र लिखकर पेयजल के समाधान हेतु नलकूप स्वीकृति की माँग की थी, जिस पर विभाग द्वारा ग्राम पंचायत देवपुरा के लिए 16.11 लाख, श्रवण जी चाय वाले मकान के पास, केंद्र रोड टांकरडा के लिए 18.18 लाख, नाथू जी खटीक के मकान के पास उदयपुरिया के लिए 18.18 लाख, चक चारणवास के लिए 18.18 लाख और बस स्टैंड आष्टीकलां के लिए 18.18 लाख रुपए की

वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जलदाय विभाग मंत्री कन्हैया लाल चौधरी का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र में पेयजल हेतु 5 ट्यूबवेल की स्वीकृति मिली है, जल्द ही इन ट्यूबवेलों का लाभ स्थानीय निवासियों को मिल सकेगा।

पृष्ठ एक का शेष....

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय का नाम अब.....

इसी तर्क के आधार पर विश्वविद्यालय का नाम बदलने की सिफारिश की । प्रस्ताव में ये भी कहा गया कि भोपाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को देखते हुए विश्वविद्यालय का नाम "वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय" किया जाना अधिक उपयुक्त होगा।

कौन थे बरकतउल्ला भोपाली?

बता दें कि मौलाना मोहम्मद बरकतउल्ला भोपाली भोपाल में जन्मे भारत के प्रमुख क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानियों में से थे। उन्होंने भारत के बाहर रहकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैश्विक समर्थन दिलाने का प्रयास किया । इसके अलावा गदर आंदोलन से जुड़े और भारतीय क्रांतिकारियों के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा बने। वहीं 1927 में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में उनका निधन हुआ था।

राजा भोज ने लिखे थे 80 ग्रंथ

राजा भोज द्वारा लगभग अस्सी ग्रंथ लिखे गए, जिनमें से 27 ग्रंथ आज भी उपलब्ध है। राजा भोज ने केवल स्वयं ग्रंथ नहीं लिखे, बल्कि अपनी राजधानी धारा (धार) को ज्ञान का सबसे बड़ा केंद्र बनाया था। उन्होंने वहां 'भोजशाला' (सरस्वती मंदिर) की स्थापना की, जो उस दौर का एक महान विश्वविद्यालय था । भोजशाला में उनके द्वारा स्थापित की गई वाग देवी की प्रतिमा जो आज इंग्लैंड के संग्रहालय में रखी गई है। उन्हें विद्या की आराध्य देवी सरस्वती के रूप में 1000 वर्ष तक पूजी गई।

पृष्ठ एक का शेष....

ममता बनर्जी खुद सांसद बनना चाहती......

इतना ही नहीं यहां तक दावा किया गया कि यूसुफ पठान ने सौरव गांगुली के इस आग्रह को ठुकरा दिया। इसके बाद इस खबर को लेकर हंगामा मच गया।

सौरव और यूसुफ को देनी पड़ी सफाई

इस हंगामे के बाद दोनों पूर्व क्रिकेटरों को सफाई देनी पड़ी। सौरव गांगुली ने यूसुफ पठान को सीट छोड़ने का मैसेज भेजने की खबर को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि मीडिया में प्रकाशित ये दावे तथ्यों की जांच के बिना और लापरवाही से प्रकाशित किए गए हैं। ममता बनर्जी की ओर से उन्हें कभी कोई संदेश यूसुफ पठान तक पहुंचाने के लिए नहीं कहा गया। गांगुली ने यह भी कहा कि उनका राजनीति से किसी भी स्तर पर कोई संबंध नहीं रहा है। वहीं, यूसुफ पठान ने कहा, "कुछ समय से यह खबर वायरल हो रही है कि ममता बनर्जी ने मुझसे बहरामपुर लोकसभा सीट से सांसद पद से इस्तीफा देने को कहा है, ताकि वह वहां से लोकसभा चुनाव लड़ सकें। ममता बनर्जी ने मुझसे कभी ऐसा नहीं कहा। यहां तक कि हमारी पिछली मुलाकात में भी उन्होंने इसका जिक्र नहीं किया। न ही उन्होंने पार्टी के किसी आधिकारिक नेता के जरिए ऐसा कोई संदेश भेजा है। यह दावा पूरी तरह से झूठा है और मुझे दुख है कि बिना किसी आधिकारिक खबर के भी सोशल मीडिया और सभी मीडिया हाउस में इस पर चर्चा और बहस हो रही है। इसलिए, न तो ममता बनर्जी और न ही पार्टी के किसी नेता ने मुझसे मेरी सांसद सीट से इस्तीफा देने के लिए कहा है।"

जहां सब जुड़ जाएं वो चौखट है वतन

मंदिर की घंटी, अजान की सदा,
गुरुद्वारे का लंगर, चर्च की दुआ।
हर इबादतगाह से निकले अमन का पैगाम,
मेरे वतन की मिट्टी से मुझे सबसे मोहब्बत है।
काशी का घाट, अजमेर की दरगाह,
स्वर्ण मंदिर की रौनक, गोवा का गिरजा।
जहां सब जुड़ जाएं वो चौखट है वतन,
मुझे हर मजहब से, हर मरकज से मोहब्बत है।
न शिव से बैर है, न राम से शिकायत,
न अल्लाह से दूरी, न नानक से फरियाद।
यीशु की रहमत भी इसी खाक में पली है,
मुझे वतन के हर खुदा के बंदे से मोहब्बत है।
ताज का संगमरमर हो या हवा महल की शान,
सांची का स्तूप हो या जगन्नाथ का धाम।
हर पत्थर पर लिखा है एक ही नाम,
मुझे इस तिरंगे के हर रंग से मोहब्बत है।
पगड़ी, टोपी, तिलक और सलीब,
सबका लहू मिलकर बना है ये नसीब।
बांटने वाले सुन लें खुलकर ये पैगाम,
मुझे बंटवारे से नहीं, हिंदुस्तान से मोहब्बत है।
मेरा वतन वो गुलदस्ता है यारों,
जहां हर मजहब की खुशबू एक है।
अलीमुद्दीन की कलम कसम खाती है,
मुझे काबा से, काशी से, सबसे मोहब्बत है।

जय हिंद।
प्रस्तुति - अलीमुद्दीन क़ुरैशी

राजस्थान भाजपा में बड़ा फेरबदल

अजेय कुमार बने नए प्रदेश संगठन महामंत्री, ढाई साल से खाली चल रहा पद भरा गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा 1 जून 2026 को जारी एक आधिकारिक आदेश के तहत राजस्थान भाजपा संगठन में बड़ा फेरबदल किया गया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अब अजेय कुमार को राजस्थान भारतीय जनता पार्टी का नया प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद संगठन में नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ढाई साल का लंबा इंतजार हुआ खत्म

राजस्थान भाजपा के लिए यह पद बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। पूर्व संगठन महामंत्री चंद्रशेखर के जाने के बाद से यह पद पिछले लगभग ढाई साल (दो साल चार महीने) से लगातार खाली चल रहा था। वर्ष 2024 से खाली चल रही इस संगठनात्मक शून्यता को अब राष्ट्रीय नेतृत्व ने अजेय कुमार की नियुक्ति के साथ पूरी तरह भर दिया है, जिससे आगामी सांगठनिक कार्यों को गति मिलेगी।

आरएसएस पृष्ठभूमि और कुशल नेतृत्व का अनुभव

नवनियुक्त प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार मूल रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की पृष्ठभूमि से आते हैं। संघ में लंबे समय तक कार्य करने के साथ ही वे इससे पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी संगठन मंत्री के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें धरातल पर संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में समन्वय बिठाने का लंबा अनुभव है।

उत्तराखंड में जीत के सूत्रधार रहे हैं अजेय कुमार

राजस्थान की कमान संभालने से पहले अजेय कुमार सितंबर 2019 से उत्तराखंड भाजपा में प्रदेश संगठन महामंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। उनके कुशल रणनीतिक नेतृत्व का ही परिणाम था कि भाजपा ने उत्तराखंड में साल 2022 का विधानसभा चुनाव और फिर साल 2024 के लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। नेतृत्व के इसी शानदार ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें अब राजस्थान जैसे बड़े राज्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जयपुर में 12 जून को किसान मोर्चा का बड़ा समागम

संगठन में हुए इस बड़े बदलाव के बीच बीजेपी किसान मोर्चा भी पूरी तरह एक्टिव मोड़ में आ गया है। आगामी 12 जून को राजधानी जयपुर में एक भव्य राज्य स्तरीय किसान कार्यशाला का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के किसानों को जागरूक करना और उन्हें रासायनिक खाद (यूरिया-डीएपी) के बजाय प्राकृतिक और ऑर्गेनिक खेती की ओर प्रेरित करना है, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके।

दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में तैयार होगा रोडमैप

जयपुर में आयोजित होने वाली इस विशेष कार्यशाला में हजारों की संख्या में प्रगतिशील किसान हिस्सा लेंगे। इस दौरान गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, राजस्थान के राज्यपाल महोदय, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहेंगे। सभी दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में राजस्थान के किसानों को हाईटेक और नेचुरल फार्मिंग के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आत्म-निर्भर किसान के विजन को पूरा किया जा सके।

किसान सम्मान निधि और कृषि बजट पर फोकस

प्रेस वार्ता के दौरान सरकार की किसान कल्याणकारी नीतियों को भी रेखांकित किया गया। संगठन के प्रतिनिधियों ने बताया कि केंद्र की 6,000 रुपये की किसान सम्मान निधि के साथ-साथ राजस्थान की भजनलाल सरकार भी अपनी तरफ से 3,000 रुपये की अतिरिक्त सम्मान निधि दे रही है। इसके साथ ही, साल 2014 से पहले के मुकाबले देश का कृषि बजट लगभग छह गुना बढ़कर अब 1,25,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो सरकार की किसान-हितैषी सोच को दर्शाता है।

मंडियों में धांधली करने वालों को जेल भेजने की चेतावनी

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) और खरीद केंद्रों को लेकर किसान मोर्चा ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि स्वामीनाथन आयोग की 'लागत का डेढ़ गुना दाम' देने की जिस सिफारिश को पूर्व की कांग्रेस सरकार ने खारिज कर दिया था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लागू किया। इसके साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि एमएसपी खरीद केंद्रों या सरकारी पोर्टलों पर पंजीकरण में किसी भी प्रकार की धांधली या भ्रष्टाचार की शिकायत सामने आती है, तो सरकार उसकी सख्त जांच कराएगी और दोषियों को सीधे जेल भेजा जाएगा।

बंगाली शाह बाबा की दरगाह पर 67 वां सालाना उर्स मनाया गया

-शास्त्री नगर दरगाह बुजुर्गों के आगे सर झुकाना सजदा या गुनाह नहीं, यह केवल अदब है वसीले से मांगी दुआएं होती कबूल

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर स्थित प्रसिद्ध बंगाली शाह बाबा की दरगाह पर 67वां सालाना उर्स अकीदत और पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर दरगाह परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। उर्स के इस विशेष अवसर पर हिंदू-मुस्लिम सहित तमाम धर्मों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, जो समाज में आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की एक अनूठी मिसाल पेश कर रहा है।

गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे का संदेश

दरगाह पर आए अकीदतमंदों का कहना है कि बंगाली शाह बाबा का यह उर्स बरसों से गंगा-जमुनी तहजीब और मोहब्बत का पैगाम देता आया है। यहाँ हर धर्म के लोग अपनी मन्नतें लेकर पहुँचते हैं। बाबा अपने जीवनकाल में भी सभी धर्मों के लोगों से एक समान मोहब्बत करते थे और सबको साथ लेकर चलने की शिक्षा देते थे। यही कारण है कि आज भी उनकी चौखट पर आने वाला कोई भी श्रद्धालु खाली हाथ नहीं लौटता।

दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुँच रहे श्रद्धालु

सालाना उर्स के मौके पर केवल स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों और दूर-दराज के क्षेत्रों से भी जायरीन यहाँ पहुँच रहे हैं। आगरा, चोमू और अन्य पड़ोसी इलाकों से भारी संख्या में अकीदतमंद बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने आए हैं। दरगाह के बाहर और भीतर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हुई हैं, जो बाबा की आस्था में डूबे नजर आ रहे हैं।

चादरपोशी और कव्वाली के विशेष कार्यक्रम

उर्स के इस पावन अवसर पर अकीदतमंदों द्वारा बाबा की मजार शरीफ पर मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश किए जा रहे हैं। देश और दुनिया में अमन-चैन, खुशहाली तथा तरक्की के लिए विशेष दुआएं मांगी जा रही हैं। इसके साथ ही दरगाह परिसर में महफिल-ए-कव्वाली और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे पूरा माहौल सूफियाना और भक्तिमय हो गया है।

सजदे और अदब के फर्क पर अकीदतमंदों का बड़ा बयान

दरगाह पर आए वरिष्ठ अकीदतमंदों ने सजदे और अदब के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि बुजुर्गों के आस्ताने पर सर झुकाना, कदमबोशी या दस्तबोशी (हाथ चूमना) करना कोई सजदा नहीं है। सजदा केवल नमाज के तय तौर-तरीकों से अल्लाह के लिए होता है, जबकि बाबा के दरबार में सर झुकाना उनके प्रति अदब और गहरे एहतराम (सम्मान) को प्रकट करने का सदियों पुराना तरीका है। कुछ लोगों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को खारिज करते हुए उन्होंने साफ किया कि सूफियों और अल्लाह के नेक बंदों के वसीले (माध्यम) से मांगी गई दुआएं कबूल होती हैं; ये बुजुर्ग हमारी दरख्वास्त और सिफारिश को आगे अल्लाह तक पहुंचाते हैं, जिससे श्रद्धालुओं की मन्नतें पूरी होती हैं।

मरीजों के सामने स्टाफ ने किया गेट बंद, मरीज चिल्लाते रहे पर स्टाफ ने एक नहीं सुनी

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल, एसएमएस (SMS) अस्पताल की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। अस्पताल परिसर में मरीजों की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं, जहाँ लोग सुबह से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन उन्हें इलाज के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उसी दौरान स्टाफ के ही व्यक्ति ने मरीजों के सामने घेर बंद कर दिया और बाकी स्टाफ चाय की चुस्कियां लेता नज़र आ रहा था।

क्या है पूरा मामला?

सामने आया है कि अस्पताल में मरीजों को घंटों इंतजार के बावजूद डॉक्टर नहीं मिल रहे हैं। आरोप है कि जहाँ एक ओर मरीज इलाज के लिए तरस रहे हैं, वहीं अस्पताल का स्टाफ ड्यूटी के दौरान चाय-नाश्ते का आनंद लेने में व्यस्त है। मरीजों का कहना है कि उन्हें इलाज के लिए अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है, जबकि केवल स्टाफ के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर एंट्री मिल रही है।

मरीजों का दर्द और आक्रोश:

भरतपुर से आए एक मरीज ने बताया कि वह सुबह 8 बजे से लाइन में लगे हैं और दोपहर के 1:30 बजने को हैं, लेकिन अब तक उनका नंबर नहीं आया है। एक अन्य मरीज (नंबर 151) ने आरोप लगाया कि लाइन की व्यवस्था पूरी तरह से ठप है। सुबह 9 बजे से आने के बावजूद उन्हें सही जानकारी नहीं दी जा रही है। मरीजों का आरोप है कि जब वे डॉक्टर से मिलने की कोशिश करते हैं, तो वहां तैनात लोग उन्हें टाल देते हैं। बाहर से आने वाले मरीजों ने व्यवस्था पर गंभीर नाराजगी जताई है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि डॉक्टर अनुराग ठाकुर के ओपीडी के बाहर मरीजों की लंबी कतारें लगी हुई हैं, लेकिन सुचारू रूप से इलाज न होने के कारण लोग अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से इस मामले में अभी तक कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है, लेकिन अस्पताल की यह बदहाली मरीजों की जान पर भारी पड़ रही है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे की कार्यकारिणी घोषित

-सरदार रणधीर सिंह उपाध्यक्ष एवं जंग बहादुर पठान महामंत्री मनोनीत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की सहमति से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा में निम्न पदाधिकारीयों की घोषणा की है- प्रदेश उपाध्यक्ष इकबाल पठान (बांसवाडा), सरदार रणधीर सिंह (जयपुर देहात दक्षिण), निजामुदीन बबलू (कोटा), जहीर मकरानी (पाली), संजीव भटेवडा (जैन) (ब्यावर), जावेद खान (दौसा), जमरदीन तेली (चूरू), आफताफ चौधरी (नीटू) (झालावाड़), प्रदेश महामंत्री जंगबहादुर पठान (जयपुर उत्तर), मोहम्मद रमजान अब्बासी (बीकानेर शहर), अयुब खान (खैरथल-तिजारा), प्रदेश मंत्री प्रफूल जैन (जयपुर शहर), इंजि. साकिर खान (अजमेर), श्रीमती मेहनाज पटेल (सवाई माधोपुर), मोहम्मद आसीफ, पूर्व पार्षद (भीलवाड़ा), जाहिद कुरैशी (धौलपुर), अनीश खान (प्रतापगढ़), अब्दुल रशीद (जोधपुर शहर), डॉ. अरमान मलिक (बारां), प्रदेश कोषाध्यक्ष फरमान कुरैशी (जयपुर शहर), प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष रिदेश भण्डारी (जोधपुर शहर), प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष मोहम्मद सद्दीक कोटवाल (जैसलमेर), प्रदेश कार्यालय मंत्री परवेज खान (जयपुर शहर), प्रदेश सह-कार्यालय मंत्री डॉ. अर्पित छाजड़ (ब्यावर), प्रदेश सह-कार्यालय मंत्री श्रीमती पूनम जैन तिलक (जयपुर शहर), प्रदेश मीडिया प्रभारी कासम अली राठौड़ (नागौर शहर), प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी मनसुफ खान (जयपुर शहर), प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी फरीदुदीन शेख (जयपुर शहर), प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मोहम्मद इरशाद हसनपुरा (जयपुर शहर), प्रदेश सोशल मीडिया सह-संयोजक नदीम भाटी (झुन्झुनूं), प्रदेश सोशल मीडिया सह-संयोजक अनस पठान (जयपुर शहर) प्रदेश नीति एवं शोध प्रभारी मोहम्मद विकार खान (टोंक), प्रदेश नीति एवं

शोध सह-प्रभारी श्रीमती मोनिका जैन (जयपुर दक्षिण), प्रदेश नीति एवं शोध सह-प्रभारी चन्द्रकांत खोडनिया (बांसवाडा), प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी सिकन्दर बक्स (जोधपुर देहात दक्षिण), प्रदेश प्रशिक्षण सह-प्रभारी जहांगीर भाटी कुरैशी (नागौर देहात), प्रदेश प्रशिक्षण सह-प्रभारी अंसार खलिफा (सवाई माधोपुर), प्रदेश आईटी संयोजक अयुब पठान (जोधपुर दक्षिण), प्रदेश आईटी सह-संयोजक श्रीमती नाजिया खान (धौलपुर), प्रदेश आईटी सह-संयोजक सद्दाम पठान (बून्दी), प्रदेश मन की बात प्रभारी याकुब खान (भरतपुर), प्रदेश मन की बात सह-प्रभारी ऋषभ जैन (जयपुर शहर), प्रदेश मन की बात सह-प्रभारी श्रीमती रोजी नवाब (जयपुर शहर) प्रदेश कार्यक्रम क्रियान्वन प्रभारी उस्मान खां चौहान (जयपुर शहर), प्रदेश कार्यक्रम क्रियान्वन सह-प्रभारी गुलजार कुरैशी (जयपुर शहर), प्रदेश कार्यक्रम क्रियान्वन सह-प्रभारी शौकत अली अराई (हनुमानगढ़), प्रदेश योजना प्रचार-प्रसार प्रभारी मोहम्मद अकरम कुरैशी (जयपुर शहर), प्रदेश योजना प्रचार-प्रसार सह-प्रभारी आसिफ अली नकवी (टोंक), प्रदेश योजना प्रचार-प्रसार सह-प्रभारी सरदार विजेन्द्र पाल सिंह (श्रीगंगानगर) प्रदेश नमो एवं सरल ऐप संयोजक मनीष जैन (सिरोही), प्रदेश नमो एवं सरल ऐप सह-संयोजक श्रीमती मिजान मिर्जा (जयपुर शहर), प्रदेश नमो एवं सरल ऐप सह-संयोजक सैयद आसिफ अली (जयपुर शहर), प्रदेश प्रवक्ता इकराम रशीद कुरैशी (उदयपुर), मुन्सिफ अली (अजमेर शहर), रमजान अली चौपदार (श्रीगंगानगर), आसिफ खान (सीकर), फारूक राणा (बून्दी), शब्बीर खान (नागौर देहात), शमशुदीन खां (अलवर दक्षिण), यासीन छीपा (पाली), सुश्री सिम्मी खान (चित्तौड़गढ़), शहजाद खान (जयपुर), युसुफ खान (भरतपुर), साबिर कुरैशी (सिरोही), शफिक पठान (अजमेर शहर), इरफान शेख (भीलवाड़ा), शाहनवाज अंसारी (जयपुर शहर), जफर मिर्जा (जयपुर शहर), शमीम खान (बालोतरा), सईद मानव (जयपुर शहर), अख्तर खान (चूरू)।

पाली में रिश्वतखोर पटवारी ट्रैप हुआ

-ग्रामीणों ने ढोल-थाली बजाकर मनाया जश्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान के पाली में पटवारी के रंगे हाथ पकड़े जाने के बाद अनूठा नजारा देखने को मिला. पटवारी के ट्रैप होने के बाद गांव में जश्न जैसा माहौल हो गया । लोग ढोल लेकर ऑफिस के बाहर पहुंच गए और खुशी मनाने लगे । ग्रामीणों का कहना है कि रिश्वत की डिमांड के चलते वो काफी परेशान हो गए थे । पटवारी के खिलाफ लंबे समय से शिकायतें सामने आ रही थीं । आरोप है कि बिना लेन-देन के कोई काम ही नहीं होता था । जैसे ही एसीबी की कार्रवाई की खबर गांव में फैली लोगों ने राहत महसूस की ।

8 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार:

बाली तहसील क्षेत्र में एसीबी ने पटवारी विक्रम को 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया । विक्रम बाली के लाटाडा पटवार हल्के में पोस्टेड था । पाली-प्रथम इकाई को उसके रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी । सत्यापन के दौरान शिकायत को सही पाया गया ।

आरोपी ने की 11 हजार रुपये की डिमांड:

आरोपी पटवारी पर नामांतरण, भूमि विभाजन और सीमांकन जैसे राजस्व कार्यों के बदले रिश्वत मांगने के आरोप थे। एंटी करप्शन ब्यूरो को परिवादी ने शिकायत में बताया कि विक्रम ने भूमि नामांतरण और विभाजन के लिए 11 हजार रुपये की मांग की थी । इस एवज में 5 हजार रुपये पहले ही वसूल लिए थे। परिवादी की माता के नाम दर्ज भूमि के सीमांकन और पुराने कार्यों की एवज में 8 हजार रुपये की अलग से डिमांड की जा रही थी।

एसीबी के जाल में फंसा पटवारी:

एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र डुकिया के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया । जैसे ही आरोपी पटवारी ने परिवादी से रिश्वत ली, एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया. तभी गांव के कई लोग ऑफिस के बाहर जमा हो गए और सेलिब्रेशन भी शुरू हो गया।

श्रीमती के. डी. बैरवा बनी समर्पण संस्था की एज्युकेशनल एसोसिएट

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । श्रीमती के. डी. बैरवा ने समर्पण संस्था के डायरेक्टर दौलत माल्या से मुलाकात के दौरान संस्था के नियमानुसार शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए एक निर्धन जरूरतमंद विद्यार्थी की शिक्षा में सहयोग की ज़िम्मेदारी लेते हुए संस्था द्वारा निर्धारित एज्यूकेशनल एसोसिएट की योगदान राशि रु.5000 भेंट की है और आवेदन पत्र भरकर दिया है। इसी तरह श्रीमति विजय लक्ष्मी माथुर ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए निर्धन ज़रूरतमंद विद्यार्थी की शिक्षा में सहयोग की ज़िम्मेदारी लेते हुए संस्था द्वारा निर्धारित एज्यूकेशनल एम्बेसेडर की योगदान राशि ₹11000 संस्था खाते में ट्रांसफर की है और आवेदन पत्र भरकर दिया है।

बहुजन समाज पार्टी जिला जयपुर की संगठन समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । बहुजन समाज पार्टी की जयपुर प्रदेश कार्यालय में जयपुर जिले के संगठन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई । बैठक में बसपा के प्रदेश अध्यक्ष सुमरत सिंह मुख्य अतिथि थे । बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष एडवोकेट मोतीलाल वर्मा ने की। बैठक में विशिष्ट अतिथि करण सिंह भंडारी- लोकसभा जोन प्रभारी, सुरेंद्र सिंह बासोटिया- लोक सभा जॉन प्रभारी, जयपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष रामप्रसाद देवतवाल उपस्थित रहे। अति विशिष्ट अतिथि जगन बाबूजी, अशोक नीला युग,चरण सिंह नोनिया, रामजी लाल चौहान, प्रमोद दिवाकर, जिला उपाध्यक्ष महेश वर्मा, जिला महासचिव शाहिद खोकर, जिला सचिव रामेश्वर उज्जवल, महिन्द्रा शौकरीया, सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। बीएसपी प्रदेश अध्यक्ष सुमरत सिंह ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी जयपुर जिले में मजबूती से संगठन का कार्य कर रही है। साथ ही नगर निकाय, पंचायत चुनाव में बहुजन समाज पार्टी अकेले अपने बलबूते पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ेगी । पार्टी संगठन को मजबूत करते हुए रामजीलाल चौहान को जयपुर नगर निगम प्रभारी तथा प्रमोद दिवाकर को नगर निगम अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। जिला उपाध्यक्ष महेश वर्मा को तथा रामेश्वर उज्जवल को जिला सचिव नियुक्त किया गया। पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए वरिष्ठ सीनियर लोगों को लगाया गया है । यह सभी वार्ड वाइज जाकर के संगठन की समीक्षा कर संगठन के ढांचे को मजबूत करने का कार्य करेंगे, बैठक में सभी जिम्मेदार शामिल हुए।

तमिलनाडु में थलपति विजय ने संभाली कमान

-फ्लोर टेस्ट से पहले कैबिनेट के बड़े फैसलों से महिलाओं और आम जनता को दी बड़ी राहत

चेन्नई । तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद नई सरकार का गठन हो चुका है। मुख्यमंत्री थलपति विजय ने सदन में फ्लोर टेस्ट से पहले ही अपनी परिपक्व राजनीति और अचूक फैसलों से देश भर का ध्यान खींच लिया है। उन्होंने चुनाव जीतने के बाद न केवल अपने समर्थकों बल्कि विपक्षी नेताओं से भी मुलाकात कर राज्य में एक नई राजनीतिक नजीर पेश की है। उनके इस आक्रामक और सकारात्मक अंदाज ने विरोधी खेमे में हलचल तेज कर दी है।

धार्मिक और शैक्षणिक स्थलों से हटेंगे शराब के ठेके

मुख्यमंत्री विजय ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में राज्य के विकास और सामाजिक सुधार को लेकर बेहद कड़े कदम उठाए हैं। सरकार के नए आदेश के अनुसार प्रदेश के सभी मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों और स्कूलों के आस-पास संचालित होने वाले शराब के ठेकों को पूरी तरह बंद किया जाएगा। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले दो हफ्तों के भीतर ऐसे 800 से अधिक ठेकों को चिन्हित कर उन पर ताला लगाने का खाका तैयार कर लिया है।

नशे के खिलाफ सरकार ने छेड़ा बड़ा राज्यव्यापी अभियान

इस कड़े फैसले के पीछे मुख्यमंत्री का मुख्य उद्देश्य राज्य की युवा पीढ़ी को नशे के दलदल से बाहर निकालना है। थलपति विजय ने अपने चुनावी कैंपेन के दौरान ही राज्य की जनता से वादा किया था कि वे नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार और खुलेआम बिकने वाली शराब पर पूरी तरह रोक लगाएंगे। सरकार का मानना है कि इस कदम से न केवल युवाओं का भविष्य सुधरेगा, बल्कि नशे के

कारण होने वाले घरेलू अपराधों पर भी लगाम लगेगी।

चार करोड़ महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष दस्ता तैयार

तमिलनाडु की करीब 4 करोड़ महिला आबादी को सुरक्षित माहौल देने के लिए मुख्यमंत्री ने एक और बड़ा चुनावी वादा पूरा कर दिया है। सरकार ने राज्यभर में महिला सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए एक 'विशेष महिला सुरक्षा स्क्वाड' के गठन को मंजूरी दे दी है। यह दस्ता विशेष रूप से महिला कॉलेजों, स्कूलों, बस अड्डों और सार्वजनिक स्थलों पर तैनात रहेगा, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके और अपराधी तत्वों में खौफ पैदा हो।

घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को मिली दो सौ यूनिट मुफ्त

आम जनता और मध्यम वर्गीय परिवारों को महंगाई से बड़ी राहत देते हुए सरकार ने राज्य में 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। चुनाव के दौरान किए गए वादे को निभाते हुए इस कल्याणकारी योजना को तमिलनाडु में लागू किया गया है। इस फैसले का सीधा लाभ सीधे तौर पर महिलाओं और गृहणियों को मिलेगा, जो घर का बजट संभालती हैं। इस कदम को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है।

विरोधी नेता के घर पहुंचे मुख्यमंत्री ने जीता सबका दिल

एक शिष्टाचार मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री विजय प्रमुख विपक्षी आवास पर पहुंचे, जहां एक बेहद भावुक दृश्य देखने को मिला। वहां मौजूद घर की महिला कर्मचारियों और हाउस हेल्पर्स ने मुख्यमंत्री की आरती उतारकर नजर उतारी, जिसके जवाब में विजय ने खुद थाली थामकर उन महिलाओं का सम्मान किया। जब एक बुजुर्ग महिला उनके पैर छूने बढ़ी, तो उन्होंने विनम्रता से उन्हें रोक दिया। इस सादगी भरे अंदाज ने आम जनता के दिलों में खास जगह बना ली है।

सभी धर्मों के प्रति समान नीति अपनाएगी नई सरकार

मुख्यमंत्री थलपति विजय ने साफ कर दिया है कि उनकी सरकार किसी भी प्रकार के धार्मिक भेदभाव या तुष्टिकरण की नीति पर काम नहीं करेगी। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि राज्य में कानून का शासन रहेगा और हर धर्म के नागरिक को समान अधिकार व सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सत्ता का कोई अलग पावर सेंटर नहीं होगा और सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ जनता के कल्याण के लिए समर्पित रहेगी।

हाजी चांद मोहम्मद अजमेरी का इन्तकाल

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। बेहद अफ़सोस के साथ इत्तिला दी जाती है कि मोहतरम हाजी मोहम्मद रफ़ीक़ (अंसारी) अजमेरी, सदर दाई हलीमा मैटरनिटी एंड जनरल हॉस्पिटल ट्रस्ट भीलवाड़ा के वालिद-ए-मोहतरम जनाब हाजी चाँद मोहम्मद अजमेरी साहब का क़ज़ा-ए-इलाही से इंतिकाल 06/06/2026 को हो गया है। अल्लाह तआला मरहूम की मग़फ़िरत फ़रमाए, जन्नतुल फिरदौस में आला मक़ाम अता फ़रमाए और तमाम अहले-ख़ाना को सब्र-ए-जमील अता फ़रमाए। आमीन।

बाग नवाब कल्लन मस्जिद के इमाम शाहिद हाफ़िज़ का इंतक़ाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । बाग नवाब कल्लन मस्जिद (एम.आई. रोड, जयपुर) के मोहतरम इमाम शाहिद हाफिज़ साहब अब हमारे बीच नहीं रहे। वे इस फानी दुनियां को छोड़कर अल्लाह की बारगाह में हाज़िर हो गए हैं। हाफिज़ साहब ने एक लंबे अरसे तक इस मस्जिद में इमामत के फरायज अंजाम दिए। उनकी खूबसूरत आवाज, उनका सादा मिजाज़ और इंसानियत की खिदमत का जज्बा हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेगा। उन्होंने सिर्फ नमाजें नहीं पढ़ाईं, बल्कि जयपुर की आवाम को हमेशा मोहब्बत और भाईचारे का रास्ता भी दिखाया। आज एक रूहानी साया हमारे सिर से उठ गया है। अल्लाह तआला से दुआ है कि मरहूम को जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता फरमाए, उनके दरजात बुलंद करे और तमाम चाहने वालों व घर वालों को सब्र-ए-जमील अता फरमाए। आमीन।

भिश्ती समाज एकता मंच जयपुर द्वारा समाज के प्रथम चुनाव कार्यक्रम की घोषणा

-12 जुलाई को होगा मतदान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भिश्ती समाज एकता मंच जयपुर, राजस्थान के तत्वावधान में जयपुर शहर के भिश्ती समाज का एक सदर (अध्यक्ष) चुनने हेतु समाज के प्रथम लोकतांत्रिक चुनाव कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार, 07 जून 2026 को भिश्तियों की छोटी मस्जिद फीलखाना घाटगेट में समाज की एक विशाल आम सभा आयोजित की गई। सभा में निर्वाचन अधिकारी जाहिद अली सिद्दीकी के निर्देशन में चुनाव प्रक्रिया को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई तथा सर्वसम्मति से चुनाव कमेटी का गठन किया गया। उपस्थित समाज जनों की सहमति से चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा की गई। निर्धारित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार— अस्थायी सदस्यता सूची जारी करने की तिथि – 15 जून 2026, स्थायी सदस्यता सूची जारी करने की तिथि – 17 जून 2026, नामांकन पत्र भरने की शुरुआत – 18 जून 2026, नामांकन की अंतिम तिथि – 23 जून 2026, नामांकन पत्रों की जांच – 25 जून 2026, नामांकन वापस लेने की तिथि – 28 जून 2026, अंतिम प्रत्याशियों की घोषणा एवं चुनाव चिन्ह वितरण – 01 जुलाई 2026, मतदान की तिथि – 12 जुलाई 2026 निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि मतदान सम्पन्न होने के पश्चात मतगणना की जाएगी तथा मतगणना पूर्ण होते ही परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के जिम्मेदार लोग, वरिष्ठजन एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव सम्पन्न कराने का संकल्प व्यक्त किया।

40 नशा मुक्त परिवारों सहित 170 मुस्लिम प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान, जोधपुर की ओर से हर साल की तरह इस साल भी आखलिया स्थित कारवां गार्डन में 'मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह 2026' का सफल आयोजन हुआ। संस्थान के संस्थापक साजिद खान जोधाणा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत तिलावते कुरान से हुई। समारोह में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधियों व शिक्षाविदों ने 10वीं एवं 12वीं में 85 प्रतिशत एवं इससे अधिक अंक अर्जित करने वाले 110 छात्र-छात्राओं, 20 होनहार खिलाड़ी एवं नशा नहीं करने व नशा छोड़ने वाले 40 परिवारों को सम्मानित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष मोहम्मद इमरान और महासचिव शकील अहमद ने कहा कि हमारा संस्थान पिछले कई वर्षों से 'शिक्षा युक्त भारत-नशा मुक्त भारत' के लिए योजनाबद्ध तरीके से आमजन को जागरूक करने पर काम कर रही है। कार्यक्रम में पूर्व जेडीए चेयरमैन राजेंद्र सिंह सोलंकी, मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी चैयरपर्सन मोहम्मद अतीक, पूर्व आरएएस निसार खान व उम्मेद अस्पताल, नर्सिंग इंचार्ज, हसीना बानो ने सभी प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी और दृढ़ निश्चय से अपनी मंजिल पाने के लिए और ज्यादा मेहनत करने का आह्वान किया। साथ ही अतिथियों ने संस्था द्वारा चलाए जा रही मुहिम 'नशा मुक्त भारत' की प्रशंसा की और विशेषकर युवा में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को देखते हुए सरकार और प्रशासन से अवैध नशे के कारोबार पर और ज्यादा कठोर रूप से सख्त कार्यवाही करने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष सलीम खान, महासचिव कांग्रेस अरविंद गहलोत, पुलिस एएसआई अंजू शमीम, ट्रैवलथैरेपी संचालक सैयद हैदर अली, समाजसेवी मोहम्मद साजिद, मोहम्मद रफीक कारवां, पूर्व सैयद डॉ. मोइनुल हक, इकबाल अली रंगरेज, जावेद हुसैन, मोहम्मद आसिक ने बतौर अतिथिगण शिरकत की। कोषाध्यक्ष मोहम्मद हारून और इफ्तिकार अहमद ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता में संस्था के मुख्य संरक्षक नसीम अली रंगरेज, संरक्षक मोहम्मद इरफान कुरैशी, अध्यक्ष इमरान कुरैशी, महासचिव शकील अहमद, कोषाध्यक्ष मोहम्मद हारून, कार्यवाहक अध्यक्ष आसिफ नूरी, मोहम्मद यासीन अंसारी सहित समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों का खास सहयोग रहा। सचिव इफ्तिखार अहमद, यूथ विंग

अध्यक्ष अकरम सांखला, उपाध्यक्ष शाहरुख खान, शकील अहमद पठान, विधि सलाहकार एडवोकेट अब्दुल खालिद, सदस्य ताजदार अब्बासी, मोहम्मद साबिर, इब्राहिम, मोहम्मद इमरान कुरैशी, समीर खान, उमर सामरिया, आरिफ राठौड़, इब्राहिम, इकबाल नूरी, सरवर जोधपुरी, उस्मान, अशफ़ाक, शेर मोहम्मद, फिरोज, फजरुद्दीन, सनवर अब्बासी एवं शहर के कई गणमान्य नागरीक भी उपस्थित रहे। मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापक मोहम्मद यासीन और आसिफ नूरी ने किया। धन्यवाद संरक्षक नसीम अली रंगरेज ने दिया।

इफ़्तेताह सबील (प्याऊ)

भीलवाडा। शदीद गर्मी के पेश-ए-नज़र अवाम को राहत फराहम करने के मकसद से सीरत सराय चैरेटी ट्रस्ट, स्टेशन रोड भीलवाडा- 311001 (राज.) की जानिब से सीरत सराय के बाहर पानी की सबील (प्याऊ) का इफ्तेताह अमल में आया। इफ्तेताह मेहमान-ए-खुसूसी मोहसीन गौड, वरिष्ट सहायक, राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ, जयपुर (राज.) के जेरे-एहतेमाम दस्त-ए-मुबारक से फीता काटकर किया गया। मेहमान-ए-खुसूसी ने अपने खिताब में फरमाया कि "तपती गर्मी के मौसम में राहगीरों और अवाम को साफ-सुथरा और ठंडा पानी मुहैया कराना एक अजीम खिदमत है। इससे रोजाना कई अफराद मुस्तफीद होंगे। उन्होंने इदारे के इस अवामी-फलाही काम को सराहा। सीरत सराय के जनरल मैनेजर जाकिर हसैन सिलावट ने इफ्तेताह में आये सभी हजरात का शुक्रिया अदा किया और बताया कि आइंदा भी खिदमत-ए-खल्क के ऐसे काम मसलसल जारी रहेंगे।

नगर निगम जयपुर द्वारा अतिक्रमण हटवाया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जगतपुरा कच्ची बस्ती, एकता नगर टोंक रोड़, सीताबाड़ी, गौशाला श्योपुर रोड़, कृष्ण नगर गोपालपुरा बाईपास, रिद्धी-सिद्धी चैराहा, मध्यम मार्ग वीटी रोड़ एवं इस्कान रोड़, अजमेर रोड सिविल लाईन मेट्रो स्टेषन, न्यू सांगानेर रोड़ पिल्लर नं 70-74 एवं 79 से गुर्जर की थड़ी, फूस का बंगला पित्रेष्वर महादेव मंदिर रेलवे स्टेषन, सिंधी कैम्प, संजय सर्किल, चांदपोल बाजार, बगरू वालों का रास्ता, श्री गोपीनाथ मंदिर चांदपोल, पुरानी बस्ती ब्रहा्रपुरी, जोरावर सिंह गेट, बंगाली बाबा की बगीची, पुरानी चुंगी दिल्ली बाईपास से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 4 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 8 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जगतपुरा कच्ची बस्ती, एकता नगर टोंक रोड़, सीताबाड़ी, गौशाला श्योपुर रोड़, कृष्ण नगर गोपालपुरा बाईपास, रिद्धी-सिद्धी चैराहा, मध्यम मार्ग वीटी रोड़ एवं इस्कान रोड़, अजमेर रोड सिविल लाईन मेट्रो स्टेषन, न्यू सांगानेर रोड़ पिल्लर नं 70-74 एवं 79 से गुर्जर की थड़ी, फूस का बंगला पित्रेष्वर महादेव मंदिर रेलवे स्टेषन, सिंधी कैम्प, संजय सर्किल, चांदपोल बाजार, बगरू वालों का रास्ता, श्री गोपीनाथ मंदिर चांदपोल, पुरानी बस्ती ब्रहा्रपुरी, जोरावर सिंह गेट, बंगाली बाबा की बगीची, पुरानी चुंगी दिल्ली बाईपास से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 8 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 4 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) **(रणनीति)**

107. असहयोग आंदोलन क्यों वापस लिया गया था?
(A) असफलता के कारण
(B) चौराचौरी कांड के कारण
(C) कांग्रेस में मतभेद
(D) ब्रिटिश दमन के कारण
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1922 में चौराचौरी (गोरखपुर) की हिंसा के बाद गांधीजी ने आंदोलन वापस ले लिया।

108. 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' कब आरंभ हुआ?
(A) 1929 ई. (B) 1930 ई.
(C) 1931 ई. (D) 1935 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 12 मार्च 1930 को गांधीजी ने दांडी यात्रा के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया।

109. गांधीजी ने नमक सत्याग्रह कहाँ से प्रारंभ किया था?
(A) अहमदनगर
(B) साबरमती आश्रम
(C) वाराणसी (D) बंबई
उत्तर: (B)
व्याख्या: गांधीजी ने 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से दांडी तक यात्रा की।

110. गांधी-इरविन समझौता कब हुआ?
(A) 1929 ई. (B) 1930 ई.
(C) 1931 ई. (D) 1932 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: मार्च 1931 में गांधीजी और लॉर्ड इरविन के बीच समझौता हुआ, जिसके तहत गांधीजी ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

111. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन कब हुआ था?
(A) 1930 ई. (B) 1931 ई.
(C) 1932 ई. (D) 1935 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: द्वितीय गोलमेज सम्मेलन 1931 में लंदन में हुआ, जिसमें गांधीजी ने कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया।

112. 'भारत छोड़ो आंदोलन' कब प्रारंभ हुआ?
(A) 1940 ई. (B) 1941 ई.
(C) 1942 ई. (D) 1943 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 8 अगस्त 1942 को मुंबई के 'गवालिया टैंक मैदान' में कांग्रेस ने "भारत छोड़ो" आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया।

113. 'करो या मरो' का नारा किसने दिया था?
(A) सुभाषचंद्र बोस
(B) जवाहरलाल नेहरू
(C) महात्मा गांधी (D) पटेल
उत्तर: (C)
व्याख्या: महात्मा गांधी ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान "करो या मरो" का नारा दिया।

114. 'आजाद हिंद फौज' की स्थापना किसने की?
(A) भगत सिंह (B) सुभाषचंद्र बोस
(C) चंद्रशेखर आजाद (D) राजगुरु
उत्तर: (B)
व्याख्या: सुभाषचंद्र बोस ने 1943 में सिंगापुर में आजाद हिंद फौज का गठन किया।

जॉब्स खबर

BSNL में 100 पदों पर आवेदन शुरू

भारत सरकार की टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने 100 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट bsnl.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में करेक्शन के लिए विंडो 4 जुलाई से 11 जुलाई तक खुली रहेगी।

आवेदन शुरू :
04 जून से 03 जुलाई 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त संस्थान से दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडियो, कंप्यूटर, विद्युत, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी या इंस्ट्रूमेंटेशन विषयों में से किसी एक में इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री या समकक्ष योग्यता या एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक्स) या एमएससी (कंप्यूटर साइंस) होना चाहिए। वहीं कुछ विषयों में एमटेक की डिग्री प्राप्त कर चुके उम्मीदवार भी अप्लाई कर सकते हैं।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 30 साल
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
यूआर/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 2,000 रुपए
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी : 1,000 रुपए

सैलरी:
45,000 - 55,000 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bsnl.co.in पर जाएं।

रेलवे में ALP की 11,127 भर्ती

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने असिस्टेंट लोको पायलट के 11,127 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है।

आवेदन शुरू :
15 मई से 14 जून 2026 तक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल
ओबीसी : 3 साल की छूट
एससी/ एसटी : 5 साल की छूट

फीस :
अन्य सभी : 500 रुपए
एससी/ एसटी/ एक्स सर्विसमैन/ ट्रांसजेंडर/ ईबीसी : 250 रुपए

सैलरी :
19,900 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।

UPSSSC ने 170 पदों पर निकाली भर्ती

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 170 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
09 जून से 29 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की 12वीं या सरकार द्वारा उसके समकक्ष अन्य परीक्षा पास की हो।
वे ही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने पीईटी - 2025 एग्जाम पास की हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुषों की न्यूनतम ऊंचाई : 167.6 सेमी
सामान्य वर्ग की महिलाओं की न्यूनतम ऊंचाई : 160 सेमी
अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई : 152 सेमी
पुरुषों का सीना : न्यूनतम 84 सेमी (फुलाने पर) और रिजर्व कैटेगरी के लिए 82 सेंटीमीटर फुलाने पर हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
सभी कैटेगरी के लिए : 25 रुपए

सैलरी:
21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं।

हेल्थ अपडेट्स

अखरोट खाने के फायदे और जरूरी सावधानियां

अखरोट एक बेहद पौष्टिक ड्राई फ्रूट है, जिसे अंग्रेजी में "Walnut" कहा जाता है। स्वादिष्ट होने के साथ-साथ यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन ई, विटामिन बी-6 और कई जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं। रोजाना सीमित मात्रा में अखरोट का सेवन शरीर को कई तरह के लाभ पहुंचा सकता है।

दिमाग और दिल के लिए फायदेमंद

अखरोट को "ब्रेन फूड" भी कहा जाता है। इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ाने और याददाश्त को बेहतर बनाने में मदद करता है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए इसका सेवन विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा अखरोट में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं, जिससे हृदय स्वस्थ रहता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

वजन और ऊर्जा दोनों में मददगार

अखरोट में फाइबर और प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं। इससे बार-बार भूख नहीं लगती और वजन नियंत्रित रखने में सहायता मिलती है। साथ ही यह शरीर को ऊर्जा भी प्रदान करता है, जिससे दिनभर ताजगी बनी रहती है।

त्वचा और इम्यूनिटी के लिए लाभकारी

अखरोट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इसके नियमित सेवन से त्वचा की चमक बनी रहती है और उम्र बढ़ने के लक्षण कम दिखाई देते हैं। वहीं, विटामिन और मिनरल्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

ज्यादा सेवन से हो सकते हैं नुकसान

अखरोट फायदेमंद जरूर है, लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसान भी पहुंचा सकता है। ज्यादा मात्रा में खाने से वजन बढ़ सकता है क्योंकि इसमें कैलोरी अधिक होती है। कुछ लोगों को अखरोट से एलर्जी भी हो सकती है। इसके अलावा अधिक सेवन से गैस, पेट फूलना और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

सेवन का सही तरीका

विशेषज्ञों के अनुसार रोजाना 2 से 4 अखरोट खाना पर्याप्त माना जाता है। इन्हें रातभर पानी मंष भिगोकर सुबह खाली पेट या नाश्ते के साथ खाने से अधिक लाभ मिल सकता है। संतुलित मात्रा में सेवन किया गया अखरोट बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में एक अच्छा कदम साबित हो सकता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

विश्व में इज़राईल के प्रति नफरत बढ़ रही है

इज़राईल को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे के नतीजे इसी गुरुवार को जारी किए गए हैं। इसके अनुसार सर्वे वाले 36 देशों के औसतन 67 प्रतिशत लोगों ने इजराईल के प्रति नकारात्मक राय जताई है। खास बात यह है कि इसमें अमेरिका व कनाडा के अलावा ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन जैसे वे यूरोपीय देश भी शामिल हैं। जिनकी अब तक इज़राईल के प्रति सहानुभूति रही है। इसी तरह यूगॉव ने यूरोप के 6 प्रमुख देशों (ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, स्पेन, इटली) में इज़राईल को लेकर वहां के लोगों की राय जानने के लिए सर्वे किया था। इस सर्वे के अनुसार इज़राईल के प्रति सकारात्मक रूख में बीते 10 वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सर्वे की माने तो इन देशों के लिए 84 से 94 फीसदी लोगों ने गाजा में इज़राईली हमलों का विरोध किया है। अमेरिका में किए गए एक और सर्वे (गैलप सर्वे) इस सर्वे के फ़रवरी में आए नतीजों में अब फिलिस्तीन सहानुभूति अर्जित करने के मामले में इज़राईल से आगे निकल गया है। इसके अनुसार 41 प्रतिशत अमेरिकियों की सहानुभूति फिलिस्तीन के साथ है, जबकि इज़राईल के प्रति यह आंकड़ा 36 प्रतिशत है। पिछले 25 साल के दौरान किए गए 25 सर्वेक्षणों में यह पहली बार है, जब इज़राईल पीछे रहा है। कभी इज़राईल अमेरिका का आखों का सितारा हुआ करता था। अमेरिकी वर्चस्व पश्चिमी एशिया में कायम करने में इज़राईल ने मदद की। पश्चिमी एशिया में दबदबे, वहाँ के तेल भंडारों से कमाई और सुरक्षा के नाम पर खाड़ी देशों से बेहिसाब आमदनी ने अमेरिका को मालामाल बना दिया। दूसरी तरफ कमजोर होते मुस्लिम देशों और फिलिस्तीन में इज़राईल के अत्याचार लगातार बढ़ते चले गए। इज़राईल ने धीरे-धीरे फिलिस्तीन को कब्जे में लेना शुरू कर दिया। फिलिस्तीन की सीमाओं में यहूदी बस्तियां लगातार बसाई। फिलिस्तीन की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले फिलिस्तीन नागरिकों और हमास संगठन के हजारों लोगों को जेलों में ठूंस दिया और बड़ी संख्या में मौत के घाट उतार दिए गए। 2023 से हमास और इज़राईल के बीच चल रहे युद्ध में इज़राईल ने करीब एक लाख फिलिस्तीनी बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गो को मौत के घाट उतार दिया। इज़राईल और अमेरिका विश्व के दो ऐसे देश हैं जो किसी अंतर्राष्ट्रीय क़ानून की चिंता नहीं करते हैं। यही कारण है की ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के नाम पर इज़राईल अमेरिका ने मिलकर ईरान पर आक्रमण कर दिया। युद्ध में भी इज़राईल और अमेरिका ने किसी मानवीय मूल्यों और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन किया। अति आत्म विश्वास में आक्रमण करने वाले दोनों देशों को तब अपनी औकात का पता चला, ज़ब ईरान ने 40 दिन चले घमासान युद्ध में दुनिया की सुपर पॉवर अमेरिका और हाई तकनीकी से लैस होने का दम भरने वाली इज़राईली सेना को ईरान के हाथ युद्ध मैदान में पिटना पड़ा। ईरान से लगातार पिटने के बाद अमेरिका को इज़राईल अब भारी पड़ने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रीपति डोनाल्ड ट्रम्प कुछ दिन पहले मनमानी कर रहे इज़राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से गाली गलौच करने लगे और बुरी तरह डांटने लगे। ट्रम्प ने नेतन्याहू से कहा कि तुम्हारी वजह से अमेरिका का नुकसान हो रहा है । इज़राईल से दुनिया भर में लोग नफ़रत करने लगे हैं। सच्चाई यह भी है कि इज़राईल के फिलिस्तीनियों पर हुए अत्याचार के कारण विश्व में उसके प्रति नफ़रत बढ़ी हैं, साथ ही डोनाल्ड ट्रम्प के गलत निर्णयों और इज़राईल का एक तरफा साथ देने के कारण अमेरिका के प्रति भी विश्व के लोगों में नफ़रत लगातार बढ़ती जा रही है।

'चिकित्सा शास्त्र के जनक' अल-राज़ी

अबू बक्र मुहम्मद इब्न ज़करिया अल-राज़ी (865–925 ईस्वी), जिन्हें पश्चिम में 'राज़ेस' (Rhazes) के नाम से जाना जाता है, मध्यकालीन इस्लामी स्वर्ण युग के सबसे महान बहुश्रुत (Polymath) विद्वानों में से एक थे। उन्हें 'चिकित्सा शास्त्र का जनक' और एक असाधारण दार्शनिक माना जाता है।

इनका जन्म ईरान के रे (Rayy) शहर में हुआ था। उनके नाम के अंत में लगा 'अल-राज़ी' उनके जन्म स्थान को दर्शाता है युवावस्था में उनकी रुचि संगीत (ऊद बजाने) और कीमिया (Alchemy) में थी। बाद में उन्होंने दर्शन शास्त्र, गणित, खगोल विज्ञान और चिकित्सा का गहरा अध्ययन किया। उन्होंने अपने गृह नगर रे और बाद में बगदाद के प्रसिद्ध शाही अस्पताल के निदेशक के रूप में कार्य किया। अल-राज़ी ने चिकित्सा विज्ञान को अंध-विश्वासों से निकालकर वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। वे पहले डॉक्टर थे जिन्होंने चेचक और खसरे के बीच के सूक्ष्म अंतर को पहचाना। उनकी पुस्तक 'अल-जुदारी वल-हसबाह' (चेचक (Smallpox) और खसरे (Measles) पर) इस विषय पर लिखी गई पहली वैज्ञानिक पुस्तक मानी जाती है। अल-राज़ी से पहले, इन दोनों बीमारियों को एक ही माना जाता था। उन्होंने दुनिया को पहली बार बताया कि ये दो अलग-अलग बीमारियाँ हैं। उन्होंने ही बताया कि खसरे में अधिक बेचैनी और पीठ में तेज़ दर्द होता है, जबकि चेचक में शरीर पर उभरे हुए दाने अधिक स्पष्ट होते हैं। आधुनिक वैक्सीन बाद में आई, लेकिन उनकी सूक्ष्म पहचान ने भविष्य के इम्यूनोलॉजी (Immunology) के लिए रास्ता खोला। उन्होंने पथरी निकालने के लिए एक विशेष सर्जिकल उपकरण और तकनीक का वर्णन किया, जो उस समय के लिए क्रांतिकारी था। उन्होंने सर्जरी से पहले और बाद के आहार (Diet) पर भी बहुत जोर दिया। अल-राज़ी को 'मनो-चिकित्सा' के अग्रदूतों में भी गिना जाता है। उनकी एक प्रसिद्ध केस स्टडी एक ऐसे व्यक्ति की है जो अवसाद (Depression) और भ्रम का शिकार था। उन्होंने दवा के बजाय 'टॉक थेरेपी' और 'संगीत' का उपयोग किया। उन्होंने मरीज को ऐसे वातावरण में रखा जहाँ उसे खुशी मिले। उनका प्रसिद्ध कथन था: "एक खुश-मिजाज डॉक्टर आधी बीमारी वैसे ही ठीक कर देता है।"

उन्हें एक उत्कृष्ट नैदानिक चिकित्सक माना जाता था। वे मरीजों के लक्षणों को बहुत बारीकी से रिकॉर्ड करते थे, जिसे आज के युग में 'केस हिस्ट्री' कहा जाता है। उनकी सबसे चर्चित केस स्टडी दिमागी बुखार (Meningitis) के सटीक निदान से जुड़ी है। एक प्रसिद्ध किस्सा है कि जब बगदाद में अस्पताल बनाने के लिए जगह चुननी थी, तो उन्होंने शहर के अलग-अलग हिस्सों में मांस के टुकड़े लटकाए। जहाँ मांस सबसे देर से सड़ा, उन्होंने उस स्थान को सबसे स्वच्छ हवा वाला मानकर अस्पताल के लिए चुना। किताब अल-हावी (The Comprehensive Book): यह उनकी सबसे बड़ी और लोकप्रिय कृति है (लगभग 23 खंड में)। इसमें उन्होंने ग्रीक, सीरियाई,

अल-राज़ी अपनी प्रयोगशाला में (अर्नेस्ट बोर्ड द्वारा बनाई गई प्राच्यवादी पेंटिंग, लगभग 1912)

भारतीय और अरबी चिकित्सा ज्ञान को संकलित किया और साथ ही अपने स्वयं के अनुभव भी लिखे। यह अल-राज़ी के जीवन का सबसे बड़ा काम था। यह केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि उस समय के संपूर्ण चिकित्सा ज्ञान का एक एनसाइक्लोपीडिया था। इस पुस्तक में उन्होंने यूनानी (Hippocrates, Galen) और भारतीय चिकित्सकों (जैसे सुश्रुत और चरक) के मतों को उद्धृत किया और फिर अपने स्वयं के अनुभवों से उनकी पुष्टि की या उन्हें गलत साबित किया। यह पुस्तक सदियों तक यूरोप के विश्वविद्यालयों में चिकित्सा शिक्षा का मुख्य आधार बनी रही। उन्होंने 'Doubts about Galen' (गैलेन पर संदेह) नामक पुस्तक लिखी, जिसमें उन्होंने तत्कालीन समय के सबसे महान माने जाने वाले यूनानी चिकित्सक गैलेन की कई थ्योरीज को चुनौती दी। यह उस समय के लिए एक बहुत ही साहसी कदम था।

अल-राज़ी ने कीमिया (Alchemy) को जादुई रहस्यों से निकालकर एक प्रयोगात्मक विज्ञान (Experimental Science) बनाया। अल-राज़ी को 'आधुनिक रसायन विज्ञान के संस्थापकों' में गिना जाता है। उन्होंने पदार्थों को धातु, खनिज, वनस्पति और पशु श्रेणियों में वर्गीकृत किया। उन्होंने सल्फ्यूरिक एसिड और अल्कोहल जैसे रसायनों के निर्माण और शोधन की विधियाँ खोजीं। उन्होंने 'विट्रियोल' (Vitriol) के आसवन (Distillation) के माध्यम से सल्फ्यूरिक एसिड तैयार किया। इसे उस समय "ऑयल ऑफ विट्रियोल" कहा जाता था। यह आज आधुनिक उद्योग का आधार है। उन्होंने एथिल अल्कोहल बनाने की विधि बताई और लोहे को साफ करने (Purification) की तकनीकों पर काम किया। उन्होंने शर्करा युक्त पदार्थों के किण्वन (Fermentation) और फिर आसवन द्वारा शुद्ध अल्कोहल प्राप्त करने की विधि बताई। उन्होंने इसका उपयोग दवाओं को घोलने और घावों को साफ करने (Antiseptic) के लिए किया। अल-राज़ी ने पेट्रोलियम के आसवन से मिट्टी के तेल (Kerosene) को परिष्कृत करने की विधि का वर्णन अपनी पुस्तक 'किताब अल-असरार' में किया है। कास्टिक सोडा (Sodium Hydroxide) : - उन्होंने साबुन बनाने की प्रक्रिया में सोडियम कार्बोनेट और चूने की प्रतिक्रिया से कास्टिक सोडा तैयार करने की विधि विकसित की। उन्होंने प्रयोगशाला के उपकरणों जैसे कि बीकर, फ्लास्क और आसवन (distillation) के उपकरणों का विवरण दिया। आज आधुनिक युग में भी उनके द्वारा इजाद उपकरणों का महत्व कम नहीं है। अल-राज़ी एक स्वतंत्र विचारक और दार्शनिक थे। उनके दार्शनिक विचार काफी स्वतंत्र थे। उन्होंने 'पांच शाश्वत सिद्धांतों' (ईश्वर, आत्मा, पदार्थ, समय और स्थान) के बारे में विस्तार से लिखा। वे सुकरात और प्लेटो के दर्शन से प्रभावित थे। उनका मानना था कि तर्क (Reason) ही सत्य तक पहुँचने का एकमात्र मार्ग है। उन्होंने नैतिकता पर 'अल-तिब्ब अल-रुहानी' (आध्यात्मिक चिकित्सा) नामक पुस्तक लिखी, जिसमें मन की शांति और चरित्र निर्माण पर जोर दिया गया है।

उनकी प्रमुख रचनाएँ

पुस्तक का नाम	विषय
किताब अल-हावी	चिकित्सा का विश्वकोश
किताब अल-मंसूरी	चिकित्सा विज्ञान के सिद्धांत
अल-जुदारी वल-हसबा	चेचक और खसरे पर शोध
सिर्र अल-असरार	रसायन विज्ञान (Secret of Secrets)

अल-राज़ी चिकित्सा के साथ-साथ 'मानवीय दृष्टिकोण' के लिए भी जाने जाते थे। वे गरीब मरीजों का इलाज मुफ्त में करते थे और उनके लिए 'धनी लोगों की तुलना में गरीबों की सेवा' को प्राथमिकता देते थे। अबू बक्र अल-राज़ी के योगदान इतने व्यापक थे कि उन्हें 'अरबों का गैलेन' कहा जाता है। अल-राज़ी ने लगभग 200 पुस्तकें लिखीं, जिनमें चिकित्सा शास्त्र, गणित, ज्योतिष, धर्म और दर्शन शास्त्र पर पुस्तकें शामिल थीं।

अल-राज़ी की मृत्यु 925 ईस्वी में उनके जन्म स्थान 'रे' में हुई। उनके सम्मान में ईरान में आज भी हर साल 27 अगस्त को 'फार्मेसी दिवस' मनाया जाता है। पेरिस विश्वविद्यालय के 'फैकल्टी ऑफ मेडिसिन' में उनकी तस्वीर आज भी सम्मान के साथ लगी हुई है।

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

युवाओं के मन को सशक्त बनाने के लिए मदरसों का आधुनिकीकरण

भारत में मुस्लिम समुदायों के लिए मदरसे आस्था और शिक्षा के अटूट स्तंभ हैं। सदियों पुरानी इस्लामी शिक्षा से विकसित ये संस्थाएँ हमेशा धार्मिक शिक्षा से कहीं अधिक प्रदान करती रही हैं। ये लोगों को पहचान की भावना प्रदान करती हैं और सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयों के समय उन्हें मज़बूत बनाए रखने में मदद करती हैं। विश्व भर में कई लोग प्रतिभा को निखारने और समकालीन शैक्षिक मानकों के साथ तालमेल बिठाने के लिए मदरसों के आधुनिकीकरण की सलाह देते हैं। मदरसे के छात्रों को अक्सर निजी क्षेत्र, उच्च शिक्षा और उत्पादन उद्योगों जैसे गैर-धार्मिक क्षेत्रों में नौकरी पाने में कठिनाई होती है। भारतीय मदरसे, सरकार के सहयोग से, राष्ट्रीय सुरक्षा को मज़बूत करने और ज़िम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए एक आधुनिक पाठ्यक्रम अपना सकते हैं। मदरसे का आधुनिकीकरण परंपरा के लिए खतरा नहीं है, बल्कि सशक्तिकरण की दिशा में एक आवश्यक कदम है। आधुनिक शिक्षा को धार्मिक अध्ययन में समाहित करके, मदरसे भारतीय मुस्लिम युवाओं को ऐसे आलोचनात्मक चिंतन कौशल से लैस कर सकते हैं, जो राष्ट्रीय प्रगति में सार्थक योगदान को प्रोत्साहित करें। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अनुसार, भारत में लगभग 38,000 मदरसे हैं, जिनमें से लगभग 28,107 आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त हैं। इन संस्थानों में 20 लाख से अधिक छात्र नामांकित हैं, जो इन्हें भारत के साक्षरता परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनाते हैं। 2006 में सच्चर समिति द्वारा उजागर किया गया यह अंतर, मुस्लिम समुदाय के भीतर व्यापक शैक्षिक असमानताओं को दर्शाता है, जिनकी नामांकन दर राष्ट्रीय औसत से पीछे है। मुस्लिम युवाओं में बेरोज़गारी दर 18 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 12 प्रतिशत है। आधुनिकीकरण से मदरसों का पारंपरिक महत्व कम नहीं होगा।

आधुनिकीकृत मदरसे आईटी और उद्यमिता में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा को रोज़गार से जोड़ सकते हैं, जिससे स्थिर नौकरियों के मार्ग प्रशस्त होंगे और बेरोज़गारी कम होगी। इससे मुस्लिम छात्रों के बीच उच्च ड्रॉपआउट दर को कम करने में मदद मिल सकती है। मदरसों को राज्य शिक्षा बोर्ड के साथ एकीकृत करने से छात्रों को सिविल सेवाओं में आकांक्षा रखने के लिए एक मंच भी मिल सकता है।

जागरूकता अभियानों के माध्यम से अभिभावकों की भागीदारी प्रगति को बनाए रख सकती है, जबकि पोस्ट-मैट्रिक सहायता जैसी छात्रवृत्तियां वित्तीय बाधाओं को दूर करने में सहायक होती हैं। मदरसों का आधुनिकीकरण एक ऐसी नीतिगत रणनीति है जो एक साथ कई चुनौतियों का समाधान करती है। यह मानसिक क्षमताओं को मज़बूत करके, आर्थिक संभावनाओं में सुधार करके और एक बौद्धिक रूप से आत्म-विश्वासी मुस्लिम वर्ग का निर्माण करके संदेह को दूर कर सकती है। इस्लाम का बौद्धिक इतिहास तर्क, वाद-विवाद और खोज में निहित है। अल-ग़ज़ाली से लेकर इब्न रुश्द तक, इस्लामी विद्वत्ता ने हमेशा ज्ञान के सभी रूपों को अपनाया है। जब मदरसे कुरान के अध्ययन के साथ-साथ विज्ञान, दर्शन या प्रौद्योगिकी की शिक्षा देते हैं, तो वे उस परंपरा को पुनर्जीवित करते हैं। मदरसों के आधुनिकीकरण से अवसरों का विस्तार होता है और एक ऐसा मुस्लिम नागरिक वर्ग तैयार होता है जो भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के साथ आत्म-विश्वासपूर्वक जुड़ सके।

-शब्बीर हुसैन

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विश्वासपात्रों में से एक कर्नल महबूब अहमद

9 जून यौमे वफात पर विशेष....

आज़ाद हिंद फौज के नायक और अंग्रेजी साम्राज्य से टक्कर लेने वाले एक महान योद्धा कर्नल महबूब अहमद का जन्म 19 मार्च 1920 को पटना के एक छोटे से गांव में हुआ। उनके पिता डॉक्टर थे इसलिए महबूब की पढ़ाई लिखाई भी अच्छे माहौल में हुई । शुरुआती पढ़ाई देहरादून में हुई उसके बाद महबूब अहमद इंडियन मिलिट्री एकेडमी I. M. A. देहरादून में पढ़े । अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करके ब्रिटिश सेना में सैकंड लेफ्टिनेंट के पद पर भर्ती हुए दरअसल एक मौके पर कर्नल मेहबूब अहमद ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का देश प्रेम से जुड़ा एक भाषण सुना, जिससे वह अंग्रेज़ी हुकूमत की नौकरी छोड़कर आजाद हिंद फौज में शामिल होने का जज्बा जागा। दिलचस्प बात यह है कि म्यांमार की सीमा पर कर्नल मेहबूब अहमद की पहली मुठभेड़ ब्रिटिश सेना से ही हो गई। जिसमें उन्होंने अंग्रेजी सेना के छक्के छुड़ाकर आजाद हिंद फौज को ऐतिहासिक जीत दिलाई। 1944 में इंफाल के करीब एक लंबी लड़ाई के बाद आज़ाद हिंद फौज के योद्धा कर्नल शौकत मलिक, लाल सिंह, रामप्रसाद, मोहम्मद खान, मेजर आबिद हसन के साथ मिलकर उन्होंने इंफाल में आज़ाद हिंद फौज का परचम लहरा दिया। आज़ाद हिंद फौज में सभी धर्मों के लोग थे। आज देश में जो लोग सांप्रदायिक माहौल पैदा करने की कोशिश करते हैं उन्हें इन जांबाज़ों की जीवनी पढ़ने की ज़रूरत है। कर्नल महबूब अहमद अपनी किताब 'मौत की मस्ती और जीने का शौक' में अपने साथियों को याद करते हुए लिखते हैं कि तमाम चेहरे जो हर पल मेरे साथ आस-पास साए की तरह हैं वे सब हमारे साथी दोस्त हैं। जिनमें कर्नल हबीब, कैप्टन रामसिंह, शौकत मलिक से लेकर हम सब चहते अजीज नेताजी सुभाष चंद्र बोस है। नेताजी जिनकी कल्पना भर से हमारी भुजाएं फड़कने लगती हैं और काफी देर तक कानों में जय हिंद का शंखनाद गूंजता रहता है । उनकी यह किताब 1993 में उर्दू जबान में बिहार की ऐतिहासिक लाइब्रेरी से प्रकाशित कराई थी। कर्नल महबूब अहमद ने आखरी सांस 9 जून 1992 में ली जिनके कानों में आखरी सांस तक गूंजता रहा **'जय हिंद'**

हज़रत इब्राहीम (अलै.) की आज़माइश और ईद-उल-अज़हा का त्यौहार

ईद-उल-अज़हा, जिसे 'कुर्बानी की ईद' या बकरा ईद भी कहा जाता है, यह मुसलमानों का तीन दिन का त्यौहार है जो हज़रत इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की अल्लाह के तरफ वफ़ादारी और रज़ा की याद में मनाया जाता है। यह त्यौहार दुनियां भर के मुस्लिम परिवारों को एकजुट करता है। जिसमें दावत, तोहफ़ों का लेन-देन और इबादत शामिल होती हैं और मुसलमानों को कुर्बानी के अहमियत को समझने का मौका देता है। ईद-उल-अज़हा हज के खत्म होने की भी निशानी है, जो इस्लाम के पाँच स्तंभों में से एक है। यह हर उस मुसलमान पर फ़र्ज़ है जो जो जिस्मानी और माली एतबार से क़ाबिल हो और ज़िन्दगी में कम से कम एक बार हज कर सके। ईद-उल-अज़हा इस्लाम में दूसरा सबसे जरूरी अहम त्यौहार है, जिसे हर साल अल्लाह की रहमत और बरकत हासिल करने के लिए मनाया जाता है।

हज़रत इब्राहीम की कुर्बानी की कहानी

मुसलमानों का मानना है कि यह जब हज़रत इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) और उनकी पत्नी हाजरा को बहुत सालों की दुआओं के बाद बेटे इस्माईल (अलैहिस्सलाम) अता हुआ। अल्लाह ने हज़रत इब्राहीम की आज़माइश लेने के लिए उन्हें अपने प्यारे बेटे की कुर्बानी देने को कहा वो बेटा जिसके लिए उन्होंने बरसों तक इंतज़ार किया था। हज़रत इब्राहीम ने अल्लाह की रज़ा में इतना यक़ीन और ईमान रखा कि उन्होंने इस आज़माइश में ज़रा भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई और अपने बेटे को कुर्बान करने के लिए तैयार हो गए। उनके इस इखलास को देखकर अल्लाह ने उन्हें इनाम दिया और बेटे की जगह एक मेंढे की कुर्बानी क़बूल कर ली। इस मोजज़ाना वाक़ये के ज़रिए मुसलमानों को सिखाया जाता है कि अल्लाह पर मुकम्मल भरोसा रखें और हर इम्तिहान में सब्र करें। इसी वजह से मुसलमान हर साल इस दिन को "ईद-उल-अज़हा" के रूप में मनाते हैं, ताकि इस्लामी तारीख के इस पाक लम्हे को याद रखा जाए।

कुर्बानी और रहमदिली का पैग़ाम

इस पाक दिन, हज़रत इब्राहीम की अल्लाह के लिए वफ़ादारी का एहतराम करने के लिए मुसलमान जानवर की कुर्बानी करते हैं और उसका गोश्त परिवार, दोस्तों और ज़रूरतमंदों में तकसीम करते हैं। आमतौर पर बकरी, भेड़, भैंस की कुर्बानी की जाती है।

हाल के सालों में पश्चिमी दुनियां में इस्लामी तरीक़े से जानवरों की कुर्बानी को लेकर कुछ विवाद भी हुए हैं। हलाल कुर्बानी को कुछ लोग अमानवीय बताते हैं। लेकिन इस्लामी हुक्म यह है कि जानवर को तकलीफ़ न दी जाए और उसे जल्दी से जल्दी और रहमदिली से ज़बह किया जाए। कुर्बानी के वक़्त जानवर को क़िब्ले (मक्का) की ओर मोड़ा जाता है और एक तेज़ धार वाले चाकू से एक ही वार में उसका गला काटा जाता है – उस समय "बिस्मिल्लाह" (अल्लाह के नाम पर) कहा जाता है। यह इस बात का एहसास दिलाता है कि जिस जानवर की जान ली जा रही है, वह भी अल्लाह की मख़लूक़ है और उसका आदर ज़रूरी है। जानवर को दर्द बहुत थोड़ी देर के लिए होता है क्योंकि वह चंद सैकंडों में बेहोश हो जाता है। इस दिन का एक अहम हिस्सा यह भी है कि गरीबों और ज़रूरतमंदों को याद रखा जाए और उन्हें खैरात दी जाए। इससे आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है और मुसलमानों को शुक्रगुज़ारी और अल्लाह की नेमतों की क़द्र करना सिखाया जाता है।

ईद की नमाज़ और भाईचारा

मुसलमान ईद-उल-अज़हा की शुरुआत एक ख़ास नमाज़ से करते हैं जिसे "सलात-उल-ईद" कहते हैं। यह आमतौर पर एक बड़े जमात में अदा की जाती है। इसके बाद इमाम ख़ुत्बा देता है। यह नमाज़ फ़र्ज़ तो नहीं लेकिन इससे बहुत सवाब मिलता है और इससे मुस्लिम उम्मत में एकता और भाईचारा मज़बूत होता है। नमाज़ के बाद मुसलमान एक-दूसरे को "ईद मुबारक" कहकर मुबारकबाद देते हैं। बाक़ी का दिन दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ बिताया जाता है, साथ खाना खाना, मिठाइयाँ और तोहफ़े बाँटना यह सब ईद की रौनक़ का हिस्सा होता है।

सबक और रहमतों की बारिश

कुर्बानी का गोश्त, हज की रिवायतों की तकमील, ईद की नमाज़ और भाईचारे का जश्न, ये सब मिलकर ईद-उल-अज़हा को इस्लाम का एक बेहद अहम त्योहार बनाते हैं। यह दिन ना सिर्फ़ मुसलमानों में अच्छाई और रहमत को बढ़ावा देता है, बल्कि कुर्बानी और शुक्रगुज़ारी जैसे अहम सबक भी सिखाता है। यह पाक दिन मुसलमानों को अल्लाह से ढेरों रहमतें कमाने का एक शानदार मौक़ा देता है और यह बताता है कि ईमान और वफ़ादारी कैसी होनी चाहिए, जैसी हज़रत इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की थी। ज़रूरतमंदों को कुर्बानी का गोश्त बाँटना और खैरात देना मुसलमानों में मोहब्बत और भाईचारे को बढ़ाता है और उन्हें अल्लाह की दी हुई नेमतों का शुक्र अदा करना सिखाता है।

प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी रहमतुल्लाह मोहम्मद सयानी

-4 जून यौमे वफात पर विशेष....

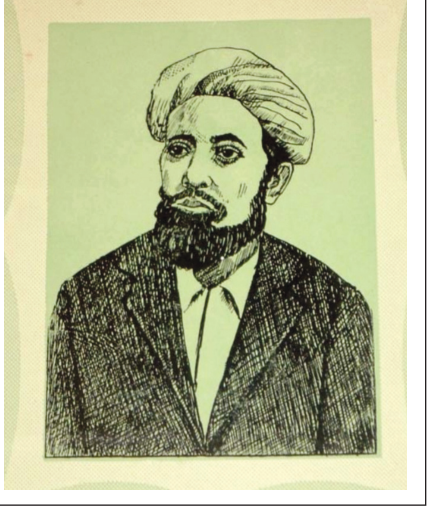

रहमतुल्ला मोहम्मद सयानी का जन्म 5 अप्रैल 1848 को मुंबई में हुआ था। सन 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन में शामिल होने वाले 72 सदस्यों में से 2 प्रख्यात मुस्लिम नेताओं में से एक थे। वह भारत के पहले अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त मुस्लिम थे। उन्होंने 1868 में पोस्ट ग्रेजुएट की उपाधि हासिल की थी, बाद में उन्होंने कानून की पढ़ाई भी की। इस दौरान उन्होंने आवाम से जुड़े अनेक मामलों में केस लड़ा उनके द्वारा मुस्लिम समुदाय को कांग्रेस से जोड़ने के प्रयास सफल हुए। इंडियन नेशनल कांग्रेस के आंदोलन को मजबूत करने से देश की आजादी आंदोलन को ताकत मिलेगी, इस बात की उन्होंने पुरजोर वकालत भी की। रहमतुल्लाह सयानी स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ ब्रिटिश हुकूमत द्वारा दायर मुकदमों की भी पैरवी करके बड़ी तादाद में उन्हें कानूनी अधिकार दिलाया। वे मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के मेयर भी रहे, वह बॉम्बे लेजिसलेटिव काउंसिल और इम्पेलरियल लॉजिस्टिक काउंसलिंग के मेम्बर भी रहे। रहमतुल्लाह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने और कोलकाता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 12 वें वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता की। इस अधिवेशन में सयानी द्वारा दिया गया भाषण कांग्रेस अधिवेशनों के इतिहास में सर्वोत्तम भाषण में शुमार होता है, इस भाषण को समकालीन जनरलो ने प्रमुखता से छापा गया था। वह हिंदू मुस्लिम एकता के अलंबरदार माने जाते थे और दोनों समुदायों के बीच आपसी भाईचारे के लिए काफी काम किया भारत की स्वतंत्रता आंदोलन में मुसलमानों के शामिल होने के लिए उन्होंने बड़े पैमाने पर प्रेरित किया। रहमतुल्ला सयानी ने अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ लोगों को जागरूक करने में बड़ी भूमिका निभाई। टैक्सेशन सिस्टम का व्यापक अध्ययन किया और इस आधार पर भारत के किसानों को मध्यम वर्ग के लोगों की कानूनी लड़ाई लड़ी इस प्रकार उन्होंने भारतीय लोगों के हुकूक उनके अधिकारों की रक्षा की लंबी लड़ाई भी लड़ी। रहमतुल्ला सयानी का देहांत 4 जून 1902 को हुआ उनके महत्वपूर्ण योगदान में उन्हें इतिहास के पन्नों में जगह मिली हो हमेशा बात करते रहेंगे।

ब्रीफ खबरें

अलवीरा शेख 10 वीं बोर्ड परीक्षा में 94.70 प्रतिशत अंक के साथ हुई उत्तीर्ण

-परिवार ने नोटों की माला पहनाकर किया स्वागत

बालाखेड़ा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मार्च 2026 में जारी 10 वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम में बारां जिले के अंता विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बालाखेड़ा निवासी छात्रा अलवीरा शेख ने 10 वीं बोर्ड परीक्षा में 94.70 प्रतिशत अंक प्राप्त करके परिवार ओर संस्थान का मान बढ़ाया है। छात्रा के पिता आरिफ शेख ओर माता हुस्नआरा ने बताया कि छात्रा अलवीरा पूरे साल कठिन परिश्रम और पढ़ाई के प्रति समर्पित रही ओर परिवार में होने वाले शादी ब्याह सहित कई प्रोग्राम में वो शामिल तक नहीं हुई। इसके अलावा मोबाईल फोन का भी इस्तेमाल बहुत कम किया। उत्तीर्ण होने पर छात्रा अलवीरा शेख का परिवार ने नोटों की माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया। छात्रा के चाचा आशिक मोहम्मद ने बताया कि मां दुर्गा सीनियर सेकेंडरी स्कूल रातडिया की छात्रा अलवीरा शेख सहित अन्य बच्चों को अध्यापकों द्वारा पढ़ाई में कोई कमी नहीं रखी गई, समय समय पर उनको शिक्षा के साथ सही दिशा निर्देश मिलते रहे। जिससे कि वो बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुई। अलवीरा शेख की इस कामयाबी पर छात्रा के दादा हाजी अब्दुल रशीद, दादी हज्जन आयशा बेगम, नाना उस्मान पठान बारां, नानी नफीसा बेगम, सलीम पठान, जुगनू पठान, इरफान पठान, अखलाक पठान, मामा मास्टर अलीम पठान, संजय पठान कार बाजार, असलम पठान, सलमान पठान, शोएब पठान, इमरान पठान, मुआज पठान सहित अन्य लोगों ने खुशी जाहिर कर छात्रा को मुबारकबाद पेश की।

बार-बार पोल पर आग लगने से बड़ा हादसा होने का डर

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका) । सुकेत के रामगंज मंडी रोड स्थित कसाई मोहल्ले में पोल पर बार-बार आग लग जाती है। कई मर्तबा इसकी शिकायत विद्युत विभाग में की जा चुकी है, परंतु समस्या का कोई स्थाई हल नहीं हुआ है। विद्युत विभाग के कर्मचारी आते हैं, जले हुए तारों को ही जोड़ देते हैं, उसके बाद भी पोल पर आग लग जाती है। ऐसी परिस्थिति में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। यदि पोल से आ रही केबिल को बदला जावे तो समस्या का पूर्ण समाधान हो सकता है।

पानाचन्द मेघवाल के जन्मदिन पर अंजुमन सदर मन्नू पठान ने किया स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। अटरू-बारां के पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल का 52वां जन्मदिन शुक्रवार को कवाई कस्बे में हजारों कांग्रेसजनों, शुभचिंतकों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अन्ता विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा ने अटरू-बारां के पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल को केक काटकर उनके 52वें जन्मदिन पर शॉल, श्रीफल, माल्यार्पण करते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय, यशस्वी एवं दीर्घायु जीवन की मंगल कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बारां से अंजुमन सदर मन्नू पठान के नेतृत्व में पानाचंद मेघवाल का माला ओर पगड़ी पहनाकर ओर केक खिलाकर जन्मदिन पर मुबारकबाद पेश की। ओर उनकी लंबी उम्र को दुआ की। इस दौरान अंजुमन सदर मन्नू पठान, पूर्व कवाई पंचायत समिति डायरेक्टर अजीम पठान नायब सदर पार्षद जाकिर खान, रईस खान बर्तन, मास्टर रशीद अहमद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यनमंत्री जन आवास (शहरी) योजना की जिला कलक्टर ने की समीक्षा

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। मुख्यधमंत्री जन आवास (शहरी) योजना के तहत गांधी ग्राम में स्थित आवासों के वर्तमान मौका स्थिति की जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने समीक्षा कर आवश्यसक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टजर ने निर्देश दिए कि सभी आवासों को पूर्ण करने के लिए विशेष प्रयास किए जाए। जिन भी लाभार्थियों द्वारा पूर्ण भुगतान कर दिया गया है, उनके संबंध में शेष बची कार्यवाही पूरी करते हुए उन्हें आवास का कब्जा दिलवाया जावे। उन्हों ने कहा कि संवेदक की जिम्मेसदारी तय करते हुए शेष बचे निर्माण कार्य को भी पूर्ण करवाने के लिए प्रयास कराए जाएं। उन्होंरने निर्देश दिए कि एनसीसीएफ के साथ कार्य योजना बनाकर प्राथमिकता के साथ कार्य को पूर्ण किया जावे। उन्होंरने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्या उद्देश्यन आमजन को राहत पहुंचाना है। लाभार्थियों को उनके आवास दिलवाने के लिए सर्वोच्चि प्राथमिकता के साथ आपसी समन्वनय से कार्य किया जावे। उन्होंहने निर्देश दिए कि लंबित पट्टों के प्रकरणों में वरीयता अनुसार सभी लंबित पट्टों का शीघ्र निस्तायरण किया जावें। बैठक में केडीए के सलाहकार संदीप दंडवत, नगर परिषद आयुक्त बृजेश राय, नगर परिषद के अधिशाषी अभियंता धर्मेन्द्रे मीणा सहित अन्या अधिकारी मौजूद रहे।

दलित–अल्पसंख्यक एकता ही सामाजिक न्याय की मजबूत आधारशिला - इंसाफ अली आज़ाद

-20 जुलाई को जंतर-मंतर पर दलितों एवं अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचारों के विरुद्ध होगा विशाल लोकतांत्रिक विरोध-प्रदर्शन

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय समन्वयक, अनुशासनात्मक समिति के सदस्य एवं गुजरात प्रदेश में अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद के निजी सचिव द्वारा जारी वक्तव्य में बताया गया कि वर्तमान समय में दलितों और अल्पसंख्यकों की राजनीतिक, सामाजिक एवं वैचारिक एकजुटता देश की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है। जब तक समाज के वंचित, शोषित, पीड़ित एवं कमजोर वर्ग अपने संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक सम्मान और न्याय की रक्षा हेतु संगठित होकर एक मंच पर नहीं आएंगे, तब तक उनके विरुद्ध होने वाले अन्याय, भेदभाव एवं अत्याचारों का प्रभावी प्रतिरोध संभव नहीं हो सकेगा। इसी उद्देश्य को लेकर नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) मुख्यालय में आयोजित "Dalit–Minority Unity Meeting" में इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद ने सहभागिता कर अपने विचार व्यक्त किए। इस महत्वपूर्ण बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से दलित एवं अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं कांग्रेसजन उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सामाजिक न्याय, समान अवसर, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा, सामाजिक समरसता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई । बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने इस बात पर गंभीर चिंता व्यक्त की कि देश के विभिन्न हिस्सों में दलितों, अल्पसंख्यकों एवं अन्य वंचित वर्गों के विरुद्ध अत्याचार, भेदभाव एवं सामाजिक असमानता की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इन परिस्थितियों में समाज के सभी प्रगतिशील एवं लोकतांत्रिक वर्गों को एकजुट होकर संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित संघर्ष करना होगा। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 20 जुलाई 2026 को जंतर-मंतर, नई दिल्ली पर दलितों एवं अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचारों, सामाजिक भेदभाव एवं अन्याय के विरुद्ध एक विशाल लोकतांत्रिक विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के वंचित, पीड़ित एवं कमजोर वर्गों की आवाज़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा तथा सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा हेतु जन-जागरण अभियान को गति प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इंजीनियर इंसाफ अली आज़ाद ने कहा कि भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करता है। सामाजिक न्याय तभी वास्तविक रूप से स्थापित हो सकता है जब दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी, पिछड़े वर्ग एवं समाज के अन्य वंचित समुदाय एकजुट होकर संविधान की मूल भावना—समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व—की रक्षा के लिए संगठित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द, लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी प्रगतिशील शक्तियों का एक मंच पर आना समय की मांग है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है तथा भविष्य में भी समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों की आवाज़ को मजबूती से उठाने का कार्य करती रहेगी।

पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल के 52वें जन्मदिन पर हुआ 900 यूनिट रक्तदान

-कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं ओर शुभचिंतकों ने दी बधाई

बारां (रॉयल पत्रिका)। अटरू - बारां के पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल का 52वां जन्मदिन शुक्रवार को कवाई कस्बे में हजारों कांग्रेसजनों एवं शुभचिंतकों की उपस्थिति में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वेच्छा से 900 यूनिट रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर अन्ता विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा ने अटरू-बारां के पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल को केक काटकर उनके 52वें जन्मदिन पर शॉल, श्रीफल, माल्यार्पण करते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय, यशस्वी एवं दीर्घायु जीवन की मंगल कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी। भाया दम्पति ने कहा कि पानाचन्द मेघवाल का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, संघर्ष और संगठन के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उन्होंने सदैव क्षेत्र की जनता की आवाज बनकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व और कार्यशैली ने कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ आमजन के बीच विश्वास और सम्मान अर्जित किया है। जन्मदिन ओर रक्तदान कार्यक्रम में बारां से जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव हाजी अब्दुल गनी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, सेवादल के प्रदेश सचिव अशरफ देशवाली, अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश कॉर्डिनेटर हाजी नासिर मिर्ज़ा, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व अध्यक्ष शाहिद कुंडी, अधिवक्ता असलम भारती, अखलाक अंसारी, पूर्व प्रदेश सचिव रईस फैजी, नियाज़ मोहम्मद, रशीद अंसारी, मुन्ना पठान कनापुर, अहसान शेख सहित कई लोग मौजूद रहे।

घर में ऑफिस - दुकान खोलने के सरकारी नियम जनता के हितों पर कुठाराघात - एसडीपीआई

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सौशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य सरकार से मांग की कि सौशल मीडिया के माध्यम से पता चला कि राज्य की भाजपा सरकार प्रदेश में एक कानून लागु कर रही है जिसमें कोई भी अपने घरों में किसी भी प्रकार की दुकान - ऑफिस नहीं खोल सकता यदि कोई ऐसा करता है तो उसको पहले कानूनी नियम प्रक्रिया के तहत अनुमति लेनी पड़ेगी, इसलिए हमारा मानना है कि यदि यह कानून लागु हुआ तो मध्यम वर्गीय परिवारों को कई संकटों से प्रभावित होना पड़ेगा, क्यूंकि सरकारें तो वैसे ही रोज़गार नहीं दे पा रहीं हैं, बेरोज़गार शिक्षित युवा भी इस से गहरे अवसाद और निराशा ग्रस्त हैं, अब यदि उनके परिजन घर खर्च चलाने के लिए अपने घरों में कुछ छोटा मोटा व्यापार करतें हैं या बेरोज़गार युवा अपने को आत्मनिर्भर बनाने के लिए घर में कोई ऑफिस इत्यादि खोलतें हैं तो इस तरह के कानून से उन के हितों पर गहरा कुठाराघात होगा, साथ ही इंस्पेक्टर राज को बढ़ावा मिलेगा जिस से भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा, कुल मिलाकर इस तरह के कानून को लागु करने से जनता पर अतिरिक्त आर्थिक भार भी बढ़ेगा और अन्य कई प्रकार की आर्थिक समस्याओं से भी जुझना पड़ेगा, इस से यह साबित होता है कि यह कानून जनता के हित में नहीं बल्कि सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार को ही बढ़ायेगा। हम राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अनुराध करते हैँ कि इस अहितकारी कानून को राज्य में लागु करने से रोक लगाएं क्यूंकि जनता इस दौर में वैसे ही मंहगाई से त्रस्त है, अधिकतर लोगों ने नोटबंदी - कोविड के बाद बाज़ार की बुरी स्थिति से खुद को ठीक से संभाला भी नहीं है, यहाँ तक कि कई परिवार अभी भी बैंक लोन इत्यादि को चुकाने की समस्या से जूझ रहे हैँ ऐसे में इन परिवारों पर यह कानून लागु किया गया तो उनकी आर्थिक और मानसिक स्थिति और भी बदतर हो सकती हैं। अतः इस कानून को राज्य में लागु नहीं किया जाना चाहिए।

जिला कलक्टर असावा की पहल पर माई हॉस्पिटल, क्लीन हॉस्पिटल थीम पर जिलेभर के स्वास्थ्य संस्थानों में चला मेगा सफाई अभियान

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा सफाई व्यवस्था को लेकर अत्यंत सतर्क एवं सक्रिय हैं। मानसून के आगमन से पहले उनके निर्देश पर नगर परिषद द्वारा पूरे शहर के सभी ब्लॉक्स में नाला सफाई, कचरा निस्तारण एवं जलभराव रोकथाम के कार्य युद्धस्तर पर कराए गए। इसी श्रृंखला में रविवार को कलक्टर असावा के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में माई हॉस्पिटल, क्लीन हॉस्पिटल थीम पर विशेष मेगा सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत जिला अस्पताल, उप जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पीएचसी तथा सबसेंटर सहित अन्य चिकित्सा संस्थानों में व्यापक स्तर पर सफाई एवं सैनिटाइजेशन कार्य किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य अस्पतालों में मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं संक्रमण-मुक्त वातावरण उपलब्ध कराना तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना रहा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जगदीश प्रसाद कुशवाह ने बताया कि जिला प्रशासन के निर्देशों की पालना में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान चिकित्सा विभाग के अधिकारियों, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, वार्ड बॉय, सफाई कर्मचारियों तथा अन्य कार्मिकों ने श्रमदान कर सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान अस्पतालों के वार्ड, ओपीडी, टॉयलेट, प्रयोगशालाएं, परिसर, प्रतीक्षालय, स्टोर कक्ष तथा आसपास के क्षेत्रों की गहन सफाई की गई। इसके अलावा अस्पतालों में उपयोग होने वाले उपकरणों, बेड, टेबल, कुर्सियों तथा अन्य संसाधनों को व्यवस्थित किया गया। सफाई के दौरान जाले हटाने, कचरा निस्तारण, फर्श धुलाई तथा अनुपयोगी एवं कबाड़ सामग्री को चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई भी संपादित की गई। डॉ. कुशवाह ने कहा कि माई हॉस्पिटल, क्लीन हॉस्पिटल की भावना को आत्मसात कर ही मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। स्वच्छ अस्पताल न केवल संक्रमण के खतरे को न्यूनतम करते हैं, बल्कि मरीजों एवं उनके परिजनों में विश्वास एवं संतुष्टि का भाव भी बढ़ाते हैं। इसी उद्देश्य से सभी चिकित्सा संस्थानों में नियमित सफाई के साथ-साथ समय-समय पर विशेष अभियान भी संचालित किए जा रहे हैं। जिला कलक्टर ने कहा कि शहर की सफाई से लेकर अस्पतालों की स्वच्छता तक, हर स्तर पर स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जिला प्रशासन एवं चिकित्सा विभाग ने आमजन से भी अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोगी बनें और अपने घर, मोहल्ले, कार्यस्थल तथा सार्वजनिक स्थानों पर सफाई बनाए रखें। अभियान के दौरान किए गए कार्यों की फोटो एवं रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को प्रेषित की गई है। जिला प्रशासन ने इसे जनस्वास्थ्य एवं स्वच्छता की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं अनुकरणीय पहल बताया है।

स्वच्छता पखवाड़ा एवं पॉलिथीन मुक्ति जन चेतना अभियान का शुभारंभ

-पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन को करें जागरूक : जिला कलक्टर

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार 5 जून 2026 को जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के तत्वावधान में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा एवं पॉलिथीन मुक्ति जन चेतना अभियान का कपड़े से निर्मित थैलों का विमोचन व वितरण कर शुभारंभ किया। जिला कलक्टर कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सामुदायिक सेवा से जुड़े मृदुल अग्रज दल एवं स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष में पर्यावरण संरक्षण के प्रति विशेष कर पॉलिथीन मुक्ति अभियान के प्रति जन चेतना बेहद आवश्यक है, इस मिशन में स्काउट गाइड अग्रदीप बनकर अपनी अहम भूमिका निभाएं व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता व पॉलीथीन मुक्ति हेतु आमजन को संकल्पित करें। इससे पूर्व सीओ स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने अभियान की जानकारी दी तथा जिला कलक्टर का स्काउट परंपरा अनुसार स्कार्फ पहनाकर अभिनंदन किया। हेडक्वाटर कमिश्नर प्रमोद श्रृंगी ने बताया कि इस अवसर पर स्काउट गाइड दल से संवाद करते हुए जिला कलक्टर ने संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रमों की प्रशंसा की व इस दिशा में आवश्यक सुझाव व दिशा निर्देश प्रदान किए। इस दौरान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सहायक पर्यावरण अभियंता दिलीप कुमार मीना, सीओ गाइड मधुकुमारी, संगठन के सहायक सचिव डॉ. सर्वेश तिवारी, कोषाध्यक्ष बुद्धि प्रकाश पुंडीर, ट्रेनिंग काउंसलर विश्वजीत जोशी, रजिया खातून सहित मृदुल अग्रज सेवा दल के देवप्रकाश ओझा, हंसराज चौधरी, सुखलाल चौधरी, राजेंद्र शर्मा, सुबोध गर्ग, धीरेंद्र सिंह, महावीर सेन तथा ओमप्रकाश शर्मा ने सहभागिता की।

वंदे गंगा अभियान जल स्वावलंबन की दिशा में बड़ा कदम: प्रभारी मंत्री

-विश्व पर्यावरण दिवस पर अभियान का समारोहपूर्वक समापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राज्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान प्रदेश के जल स्वावलंबन की दिशा में एक बड़ा कदम है। पानी की एक-एक बूंद को संरक्षित कर अभियान को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के तहत जिले और प्रदेश में जल संरचनाओं के पुनरोद्धार और विकास के बड़े काम हुए हैं, जिसका लाभ आमजन को मिलेगा। जिला प्रभारी मंत्री देवासी ने यह बात शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर अंता क्षेत्र के अमलसरा स्थित वन विभाग की पर्यटक हट्स में आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत जिले में उल्लेखनीय कार्य किए गए और अभियान में पूरे प्रदेश में बेहतर रैंकिंग प्राप्त की गई है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी को पानी का सदुपयोग करते हुए आने वाली पीढ़ी के लिए प्राकृतिक जल स्रोतों और भूगर्भीय जल को संरक्षित रखने की दिशा में सहयोग देना चाहिए। साथ ही पौधारोपण करने के साथ सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी बनानी चाहिए। प्रभारी मंत्री ने समारोह में सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने जल संसाधन विभाग द्वारा प्रकाशित अभियान से संबंधित पुस्तिका का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने जिले में चलाए गए अभियान की उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि गंगा दशमी से शुरू किए गए इस अभियान में प्राचीन जल स्रोतों के रख-रखाव के साथ व्यर्थ बहने वाले वर्षा जल को संरक्षित करने की दिशा में अनेक उल्लेखनीय काम किए गए हैं। इस दौरान जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोज पूरबगोला ने अभियान का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वहीं उप वन संरक्षक विवेकानंद माणिकराव बड़े ने हरियालो राजस्थान के तहत किए जाने वाले पौधारोपण की तैयारियों और कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। समारोह में लोक कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण का संदेश दिया गया। वहीं महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। कार्यक्रम के पश्चात प्रभारी मंत्री व अधिकारियों ने पर्यटक हट्स परिसर में पौधारोपण भी किया।

जागो नगर परिषद चूरू जागो! जिला स्टेडियम के पीछे मुख्य रास्ते का बुरा हाल

-गंदगी के ढेर तो कहीं पर गंदे पानी का तालाब कई कॉलोनी वासियों का बेहाल

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वार्ड संख्या 4 जिला स्टेडियम एवं कृषि उपज मंडी के पीछे से गुजरने वाले मुख्य मार्ग पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। कॉलोनियों में आने जाने वाले लोगों का दुर्गन्ध के कारण बुरा हाल है। जिला स्टेडियम तक दुर्गन्ध फैल चुकी है। यह वार्ड नंबर 4 में कृषि मंडी के पीछे बालाजी कॉलोनी, तुगलक नगर, बादशाह कॉलोनी, अमन सिटी, गोरी कॉलोनी, सिकरिया कॉलोनी, मीणाओ की ढाणी, आपणो नगर आदि कई कॉलोनीया एवं बस्तियां बसी है। जहां पर मूल सुविधाओं का अभाव है। पीने के पानी की काफी समस्या रहती है। बिजली का पावर भी कम रहता है। मुख्य रास्ता है जो भालेरी रोड चौधरी

धर्म कांटे से लेकर आगे तक जाता है। इन कॉलोनी में जाने के लिए गंदगी के डेर से गुजरना पड़ता है। फिर गंदे पानी के अंदर से होकर जाना पड़ता है। यह कॉलोनी वासियों का रोजमर्रा का आना-जाना और मुख्य रास्ता है जिसकी और कभी भी नगर परिषद ध्यान नहीं देती। यहां पर सड़क का अभाव और गंदे पानी की निकासी के लिए कोई रास्ता नहीं है चारों तरफ का पानी आकर रास्ते की चौक में हासमी मस्जिद के सामने इकट्ठा हो जाता है रात्रि को बिजली के खभों पर लाइट भी नहीं रहती। यह रास्ता वन विभाग भूमि के पास से गुजरता है जहां पर जंगली कुत्तों का आतक लगा रहता है। कुत्ते नील गाय एवं हिरनों के पीछे दौड़ते नजर आते हैं। काफी बार तो कुत्ते मोहल्ले वासियों को भी काट लेते हैं। कॉलोनी वासियों का कहना है। कि नगर परिषद को काफी बार सूचित किए जाने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ है। नगर परिषद के संबंधित उच्च अधिकारियों और कर्मचारियों को पैदल इस मार्ग से गुजारा जाए तब पता चलेगा उनको। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री एवं राजस्थान सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ भारत की तस्वीर यहां पर देखी जा सकती है। नगर परिषद प्रशासन ने चूरू शहर में स्वच्छता अभियान को मज़ाक बनाकर रख दिया है। कब जागेगी ये नगर परिषद? लोग यही सवाल कर रहे हैं। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को संज्ञान लेकर आमजन को राहत देनी चाहिए। दूसरी बात वन विभाग की भूमि पर यहां एक भी छायादार पेड़ नहीं लगाया गया है? जब कि यहां नील गाय, हिरण सहित कई वन्य जीव भी भ्रमण करते नजर आते हैं। वन विभाग को भी मुख्य रास्ते की तरफ दीवार बनानी चाहिए। प्रशासन को भी मुख्य रास्ते पर संज्ञान लेना चाहिए।

राजस्थान पुलिस महानिरीक्षक बीकानेर रेंज से सेवानिवृत्ति पुलिस कर्मचारियों, अधिकारियों की मीटिंग संपन्न

मोहम्मद अली पठान

बिकानेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस महानिरीक्षक महोदय बीकानेर रैंज, द्वारा बीकानेर रेंज के जिला श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू के सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारी, अधिकारियों की मीटिंग उनकी व्यक्तिगत और विभागीय समस्याओं के लिए त्वरित निस्तारण करने के लिए और जो समस्याएं राज्य स्तर की हो उनको ऊपर भेजने के लिए महानिदेशक महोदय पुलिस राजस्थान जयपुर राजीव शर्मा के आदेश अनुसार बीकानेर मुख्यालय पर पुलिस थाना सदर बीकानेर के मीटिंग हॉल में मीटिंग आमंत्रित सुदा ली गई जिसमें उपरोक्त चारों जिलों के सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे जिसमें चूरू जिला से मोहम्मद अयूब खान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदेश उपाध्यक्ष संभाग बीकानेर, गोवर्धन दास पुलिस उप निरीक्षक अध्यक्ष जिला शाखा चुरु, मांगेराम जांगिड़ उप निरीक्षक तहसील अध्यक्ष राजगढ़, रामकिशन सुड्डा उप निरीक्षक उपाध्यक्ष राजगढ़, मांगीलाल लुहानी सहायक उप निरीक्षक सचिव राजगढ़, सांवरमल चौधरी उपाध्यक्ष

उपखंड रतनगढ़, बीकानेर पहुंचकर मीटिंग में शामिल हुए। जिला की समस्याएं यात्रा भत्ता बिल पास करवाने सेवानिवृत्ति पुलिस कर्मचारी के उपार्जित अवकाश की राशि तथा कोमिटेड राशि का शीघ्र भुगतान किए जाने हेतु प्रस्ताव पेश किया। जिला शाखा चूरू के लिए सेवानिवृत पुलिस संस्थान के लिए पुलिस लाइन चुरू में एक बीघा भूमि का आवंटन शाखा चूरू को करने हेतु प्रस्ताव पेश किया जिसके लिए महानिरीक्षक महोदय बीकानेर से निवेदन किया गया कि कृपया आप भी इस कल्याण कारी कार्य के लिए संबंधित को अर्द शासकीय पत्र जारी फरमाए। जिस पर श्रीमान ने पूर्ण आश्वाशन किया। चंदगीराम सारण कांस्टेबल श्रीगंगानगर जिला से सेवानिवृत्त के लिए उसकी पत्नी का नाम दर्ज करवाने हेतु पत्र पेश किया गया। महा निरीक्षक महोदय पुलिस बीकानेर रेंज ने सभी बिंदुओं पर बहुत ही सहज ढंग से सुना और अपने लेवल पर होने वाले कार्य का विस्तार शीघ्र किए जाने हेतु आस्वस्त किया और यह भी आस्वस्त किया की सेवानिवृत्ति की कोई भी समस्या हो तो मेरे से व्यक्तिगत मिलकर बता सकते हैं इसके संबंध में मैं उस विभाग के प्रभारी अधिकारी से व्यक्तिगत वार्ता करके आपके कार्य का निस्तारण पूर्ण रूप से करवाऊंगा । सेवानिवृत्ति के लिए महानिदेशक महोदय पुलिस राजस्थान जयपुर से प्राप्त होने वाले आदेशों की संपूर्ण पालना करवाई जाएगी। मीटिंग सोहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न हुई ।

युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला:

सवा 3 साल से फरार चल रहे दो सगे भाई गिरफ्तार, एक किशोर भी निरुद्ध

केकड़ी । एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत सरवाड़ थाना पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले में वर्ष 2023 से फरार चल रहे टॉप-10 सूची के दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इसके साथ ही मामले में संलिप्त एक विधि से संघर्षरत किशोर को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मील व पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा के सुपरविजन में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम द्वारा अंजाम दी गई है।

क्या था पूरा घटनाक्रमः

पुलिस के अनुसार 8 मार्च 2023 को परिवादी मुश्ताक हुसैन ने थाने में एक लिखित रिपोर्ट पेश कर बताया कि 7 मार्च 2023 की रात्रि करीब 10:30 बजे उनका भतीजा दानिश दूध लेने के लिए एक होटल पर गया था। रास्ते में 15-20 लोगों ने रास्ता रोककर उसके साथ लड़ाई-झगड़ा शुरु कर दिया। बीच-बचाव करने जब परिवादी का भाई चिराग वहां पहुंचा, तो उन लोगों ने चिराग पर लाठी-डंडों व हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर हालत में चिराग को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में हत्या व सामूहिक हमले की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण:

पुलिस टीम ने सघन दबिश देकर व तकनीकी अनुसंधान की मदद से घटना के बाद से ही लगातार फरार चल रहे दो सगे भाईयों मोहम्मद दिलशाद साबरी कव्वाल (38) एवं मोहम्मद उमरशाद (30) पुत्र इकबालशाद कव्वाल निवासी सिलावट मौहल्ला हाल जैन मौहल्ला सरवाड़ को धर दबोचा। इसके साथ ही पुलिस ने वारदात में शामिल एक विधि से संघर्षरत किशोर को भी कानूनन निरुद्ध किया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर गहनता से पूछताछ व अनुसंधान किया जा रहा है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा, एएसआई योगेश कुमार, कॉन्स्टेबल शुभकरण, दातार सिंह, हरिराम व कमलेश ने अहम भूमिका निभाई है।

नगर निगम का घेराव व जन आंदोलन की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की बैठक का आयोजन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर की ज्वलंत जनसमस्याओं, लड़खड़ाई पेयजलापूर्ति, अघोषित बिजली कटौती एवं सीवरेज समस्या सहित विभिन्न मांगों को लेकर आगामी दिनों में प्रस्तावित नगर निगम कार्यालय घेराव व जन आंदोलन की तैयारी को लेकर कांग्रेस की कार्यक्रम पूर्व रणनीतिक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को जिला कांग्रेस भवन में जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह निम्बाडा व शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों को मुख्य अतिथि लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल ने संबोधित करते हुए कहा राज्य सरकार की असफलता व अक्रमण्यता को जनता में ले जाकर अपने अधिकारों की लड़ाई आगे आकर लड़नी होगी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लोकतंत्र का गला घोंट रही है। स्थानीय निकाय चुनाव टालकर न सिर्फ संविधान की अवमानना कर रही है, बल्कि जनता के अधिकारों पर डाका डाल रही है। माननीय न्यायालय के आदेशों की अवमानना कर, यह सरकार तानाशाही की राह पर चल पड़ी है। शहर का बुरा हाल है मूलभूत सुविधाओं से जनता वंचित है व त्रस्त है जबकी भाजपा के नेता व मंत्री अपनी वाहवाही में मस्त है। पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़, पीसीसी सदस्य महावीर सिंह सुकरलाई, ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई ने कहा कि यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के प्रभार वाले क्षेत्र पाली नगर निगम की स्थिति बजट के अभाव में बेहद दयनीय हालत में है। बजट के अभाव में

विकास कार्य ठप्प पड़े है। महिला नेता सुमित्रा जेन व नीलम बिड़ला सहित कई वक्ताओ ने संबोधित कर आगामी जनांदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। मंच संचालन जोगाराम सोलंकी ने किया वंही धन्यवाद कांग्रेस नेता आनंद सोलंकी ने ज्ञापित किया। प्रस्तावित जनांदोलन में पाली शहर की ज्वलंत जनसमस्याओं, राज्य सरकार द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर गत दो वर्षों से निकाय चुनावों टालने, सीवरेज, मानसून पूर्व ड्रेनेज सिस्टम के पुख्ता इंतजाम करने व नालों की सफाई, लड़खड़ाई पेयजल व्यवस्था, अघोषित बिजली कटौती, बजट व रख - रखाव के अभाव में शहर के लगभग तीस से अधिक वीरान पड़े सार्वजनिक उद्यानों, खस्ताहाल सड़कों एवं लंबित पट्टा, हस्तांतरण प्रकरणों सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर पाली कांग्रेस द्वारा आगामी दिनों में प्रस्तावित नगर निगम कार्यालय का घेराव कर विशाल जनांदोलन कर कुम्भकर्णी नींद में सोई भजनलाल सरकार और नगर निगम प्रशासन को जगाने हेतु तैयारी बैठक सम्पन्न हुई।

इस दौरान पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब टी, प्रकाश सांखला, जीवराज बोराणा, भँवर राव, गोविंद बंजारा, रतन उदेश, ताराचन्द चन्दनानी, मण्डल अध्यक्ष रफीक गोरी, रघुवीर सिंह मंडली, शकील नागोरी, राजू सोलंकी, चेलाराम रारबड़ा, भेराराम गुर्जर, रफीक चौहान, संतोख सिंह बाजवा, प्रकाश चौहान, मोनू मेघवाल, ओमा चौधरी, रमेश चावला, अकरम खिलेरी, जावेद सिरोहा, आमीन अली रंगरेज, इंसाफ मोयल, शहजाद शेख, राजेन्द्र घावरी, अशोक कुलदीप, कृष्णा सांसी, दिनेश पंवार, जयेश सोलंकी, दिनेश दवे, रमेश चौधरी, ताराचन्द टांक, लक्ष्मण कच्छवाह, पुष्पराज सोनी, असगर कुरैशी, संजय परमार, साबिर अशरफी, मगराज सोनी, मांगीलाल सोलंकी, इकबाल शेख, आबिद भाई चढ़वा, जीसान अली रंगरेज, पूरन आर्य, शौकीन खान भाटी, जावेद गौरी, राजेश पंवार, मुनाजिर अली चूडीघर, राजेन्द्र शर्मा, अरबाज खान अजु, मेहबूब अली रंगरेज, हाजी मोईनुद्दीन, इल्लु अब्बासी, नासिर भाई घोसी सहित जिला एवं शहर ब्लॉक के पदाधिकारी गण, निवर्तमान/पूर्व पार्षदगण, अग्रिम संगठन, विभाग एवं प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष गण व शहर अध्यक्ष गण, मण्डल अध्यक्ष गण, वार्ड अध्यक्ष गण, बीएलए- 2 सहित समस्त कांग्रेस जन मौजूद थे। बैठक में कार्यकर्ताओं से स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की गई एवं वार्ड स्तर पर जनांदोलन को लेकर जिम्मेदारी सौंपी गई।

देसूरी गोमती नाल सड़क नई बनाने की मांग

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन पाली एवं भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी एवं राज्य की उप मुख्यमंत्री दिव्या कुमारी को पत्र मेल भेज कर पाली जिले का सबसे खतरनाक दुर्घटना वाली देसूरी गोमती नाल सड़क को आधुनिक तरीके से बना कर जनता को दुर्घटनाओं से बचाने की मांग की। जागरवाल ने पत्र में बताया कि पाली–देसूरी नाल, जो पाली को उदयपुर और मेवाड़ क्षेत्र से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, वर्षों से चौड़ीकरण और सुधार की घोषणाओं का विषय बना हुआ है। दुर्भाग्यवश, ये घोषणाएँ अक्सर अखबारों की सुर्खियों तक ही सीमित रह जाती हैं। इस मार्ग पर पंजाब मोड़, नाग देवता मंदिर के आगे तथा अन्य कई

स्थानों पर आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। कुछ वर्ष पूर्व इस सदी की सबसे बड़ी एक भीषण दुर्घटना में एक ही गांव के लगभग 200 लोग काल का ग्रास बन गए थे। स्कूली बच्चों सहित कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, और कुछ परिवार तो पूरी तरह उजड़ गए। घटना के बाद कुछ दिन चर्चा होती है, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है और अगली दुर्घटना का इंतजार शुरू हो जाता है। पाली के सांसद, दो राज्यसभा सांसद और दोनों जिलों के मंत्रियों के होने के बावजूद समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। कई बार यह सुनने और पढ़ने को मिला कि राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिव्या कुमारी, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी जी तथा पूर्व राज्यसभा सदस्य नीरज डांगी ने इस सड़क को बेहतर बनाने की घोषणा की है। इस सरकार के तीन बजट भी पेश हो चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी तक कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं देता। क्षेत्र की जनता हर नई घोषणा को सड़क निर्माण बनने की उम्मीद को ही मानकर संतोष कर लेती है, लेकिन दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र आज भी उसी स्थिति में खड़ा है। खैर, देखते हैं कब इस मार्ग की तस्वीर वास्तव में बदलती है।

अधिकमास परिक्रमा का पाली जिला मुस्लिम समाज ने किया भव्य स्वागत

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला मुस्लिम समाज की ओर से पाली शहर में निकलने वाली अधिकमास परिक्रमा का सूरजपोल पर भव्य स्वागत किया गया। पाली जिला मुस्लिम समाज सदर मोहम्मद हकीम के निर्देशानुसार पाली जिला मुस्लिम समाज जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम मिस्कीन व जिला प्रवक्ता शकील अहमद नागौरी ने पाली शहर के प्राचीन सोमनाथ मंदिर से पाली शहर के हृदय स्थल सूरजपोल पहुंचने पर अधिक मास नगर परिक्रमा के संरक्षण व सभी सदस्यों का साफा और माला पहनकर स्वागत किया गया। जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम मिस्कीन व जिला प्रवक्ता शकील अहमद नागौरी के नेतृत्व में नगर परिक्रमा समिति के अधिकमास परिक्रमा संघ के मुख्य संरक्षक

पंडित शम्भू लाल शर्मा, महंत सुरजन दास, संरक्षक जोरा राम पटेल, अध्यक्ष प्रदीप कछवाहा, महामंत्री कैलाश टवानी, कार्यालय सचिव हीरालाल व्यास, कोषाध्यक्ष शांतिलाल मंडोरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामगोपाल खेतावत, देवीलाल सांखला, विजयराज सोनी, परामर्शदाता रामरतन बजाज, जोराराम पटेल, अम्बालाल सोलंकी, भंवर चौधरी, विशम्बर व्यास, अम्बालाल माली, जलदाय विभाग अधीक्षण अभियंता कान सिंह राणावत, शहर कोतवाल रविन्द्र सिंह खींची, वरिष्ठ पेंशनार समिति सदस्य दिनेश दवे इत्यादि परिक्रमा संघ सदस्यों का मुस्लिम समाज के गणमान्य लोगों जिला मुस्लिम समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम मिस्कीन व जिला प्रवक्ता शकील अहमद नागौरी ने सभी परिक्रमा समिति के सभी सदस्यों राजस्थानी परम्परा अनुसार साफा व हारफूल व मोतियों की माला पहनाकर शानदार इस्तकबाल किया गया। इस अवसर पर मोहम्मद सत्तार पठान, असगर कुरैशी, मोहम्मद यासीन रॉयल, फारूक रंगीला, गुलाम मुस्तफा, जावेद पठान सहित सदस्यों ने स्वागत कर नगर परिक्रमा कार्यक्रम के अमन चैन भाईचारे के साथ सम्पन होने की कामना के साथ शानदार सफल आयोजन की शुभकामनाएं बधाई दी।

ब्रीफ खबरें

मदरसा पीर की जाल में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर, जल संरक्षण का दिया संदेश

मोहम्मद अब्बास

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी की दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह के आस्ताने पर मदरसा दारुल उलूम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मदरसा बच्चों को संदेश देते हुए कहा “एक पेड़ मां के नाम” का संदेश देते हुए पर्यावरण सुरक्षा की प्रेरणा दी गई। मदरसा दारुल उलूम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल के नाजिमें आला नबी बक्स सरवरी ने उपस्थित बच्चों को पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है उन्होंने बच्चों, आमजन, स्टाफ से अपील की हैं अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने

का संदेश दिया है। मदरसा के सदर मुद्ररिश मौलाना हाशम दल अकबरी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण जल संकट एवं जलवायु परिवर्तन सालदर्शन पर्यावरण का शरण हो रहा है इस चुनौती से निपटने के लिए पौधारोपण प्रभावी उपाय हैं हर व्यक्ति को जीवन में अधिक से अधिक पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण में महत्व भागीदारी निभानी होगी। इस मौके पर मौलाना अब्दुल शकूर सिद्दीकी, मौलाना गुलाम हैदर सिद्दीकी, मास्टर उस्मान खां, आलम खां, अब्दुल गनी, शाकिर खां, साहिल खां सहित कई बच्चे मौजूद थे।

अनीश और काशिफा का निकाह अत्यंत सादगी के साथ संपन्न हुआ

सूरतगढ़ (रॉयल पत्रिका) । लोदी पठान खानदान चूरू एवं सूरतगढ़ से सादगी से भरी शादी दिखावे से दूर, सच्चे आत्मिक जुड़ाव और खुशियों के उत्सव के रूप में सादे समारोह में आयोजित की गई । आज के दौर में जहाँ शादियाँ फिजूलखर्ची और तड़क-भड़क का जरिया बन चुकी हैं, वहीं एक बेटी का विवाह अत्यंत सादगी के साथ संपन्न करना समाज को एक सकारात्मक संदेश देता है। सीमित मेहमानों की उपस्थिति, पारंपरिक रीति-रिवाज और बिना किसी आडंबर के जब दो दिल एक होते हैं, तो वह पल बेहद पवित्र बन जाता है। सादगी भरा यह विवाह न केवल माता-पिता को कर्ज के अनावश्यक बोझ से बचाता है, बल्कि नए जोड़े को भी व्यावहारिक जीवन की शुरुआत करने की सही सीख देता है। ऐसी शादी में असली रौनक महंगे सजावट की नहीं, बल्कि अपनों के सच्चे आशीर्वाद और आंतरिक प्रेम की आवश्यकता होती है। सूरतगढ़ से अनीस पठान पुत्र नियाज मोहम्मद पठान की बारात सादगी के साथ आई । जिसमें गणमान्य प्रबुद्ध जन सलीम पठान, मकसूद पठान, शकील अहमद, गुलजार पठान, जुल्फिकार अली, संजय पठान, जुबेर पठान, यूनुस पठान, परवेज पठान, इमरान पठान, रशिद खान, जावेद पठान, बरकत अली खान, साजिद पठान, वाहीद पठान, मिर्ज़ा आदि का फूल मालाओं से स्वागत किया। बारात में न घोड़ी-न-बाजा- नहीं डीजे- की आवाज, नहीं फालतू रस्में । इस्लामिक तरीके से शहर काजी अहमद अली शाह एवं आरिफ अली काजी ने निकाह पढ़ाया खुत्बा पड़ा और दुआएं की। फ़िर दावत-ए-आम में सभी ने शिरकत की और खाना खाया। फिर काशिफा जान पुत्री मोहम्मद रमज़ान पठान को बड़ी ही सादगी के साथ खानदान ने अपनी लाडो बेटी, अपने आंगन के फूल को लाडो से पाला पापा की परी को आज शादी कर ससुराल के लिए विदा किया। दादा हाजी आबिद हुसैन, दादा अहसान अली पठान, दादा हाजी अख्तर अली, दादा इलियास पठान, अकबर खान, अहमद हुसैन, अकरम पठान, असलम पठान, इस्लाम पठान, मोहम्मद अहमद, अनवर खान, आदिल खान, समीर खान, अतहर रेहान, असद पठान, आदि। सभी ने नेक दुआओं के साथ विदा किया।

उपभोक्ता हितों की सुरक्षा हेतु विभाग सख्त

--हनुमानगढ़ में गैस एजेंसियों पर औचक निरीक्षण अभियान

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। मंत्री सुमित गोदारा (उपभोक्ता मामले विभाग) के निर्देशानुसार विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 तथा राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 के तहत हनुमानगढ़ जिले में टाऊन, जंक्शन, मुंडा और रावतसर में गैस एजेंसियों के विरुद्ध एक व्यापक औचक निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत गठित विभागीय जांच दल विधिक माप विज्ञान अधिकारी अमित कुमार तथा देवकीनंदन के नेतृत्व में हनुमानगढ़ जिले में कुल 8 गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिलेंडर्स में गैस की मात्रा नियमानुसार सही देना पाया गया। आगामी दिनों में सम्पूर्ण राजस्थान में गैस एजेंसियों

की नियमित जांच जारी रहेगी तथा दोषी पाए जाने वाली एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करना तथा आमजन को सही माप-तौल के साथ गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित कराना है।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार “रॉयल पत्रिका” को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।

संपर्क करें - 8058969180/9799559096

दारुल उलूम में छात्रों के मल्टी-मीडिया मोबाइल फोन रखने पर रोक

-आदेश नहीं मानने पर होगा एक्शन

सहारनपुर। ईद-उल-अज़हा की छुट्टियों के बाद सहारनपुर के देवबंद में विश्व प्रसिद्ध इस्लामिक शिक्षण संस्था दारुल उलूम में शैक्षिक सत्र पुनः प्रारंभ हो गया है। जिसके बाद दारुल उलूम ने एक बार फिर से छात्रों को अनुशासन में रहने के लिए सख्ती जताई है। दारुल उलूम प्रशासन ने छात्रों को मल्टी-मीडिया मोबाइल फोन के प्रयोग से दूर रहने की हिदायत देते हुए पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है। देवबंद के दारुल इकामा (छात्रावास) प्रभारी मुफ्ती अशरफ अब्बास ने बताया कि छुट्टियों पर घर जाते समय ही छात्रों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वे अपने मल्टी-मीडिया मोबाइल घर पर ही छोड़कर आएं।

छात्रों को अनुशासन में रहने की नसीहत

मुफ्ती अरशद अब्बास कहा कि दारुल उलूम में छात्रों के लिए अनुशासन में रहना बेहद जरूरी है। लोगों को मल्टी-मीडिया मोबाइल से दूर रहना चाहिए। आवश्यकता होने पर छात्र केवल की-पैड वाले साधारण मोबाइल का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि संस्था परिसर या छात्रावास में किसी छात्र के पास मल्टी-मीडिया मोबाइल पाए जाने पर उसके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

निर्देश नहीं मानने पर होगी कार्रवाई

छात्रावास प्रभारी ने कहा कि अगर किसी छात्र के पास मल्टी-मीडिया फ़ोन पाया जाता है तो उस पर गंभीर कार्रवाई की जा सकती है। गंभीर स्थिति में छात्र का प्रवेश निरस्त कर संस्था से नाम भी काटा जा सकता है। उन्होंने सभी छात्रों से दारुल उलूम के नियमों एवं अनुशासन का पालन करने तथा अपनी शैक्षिक जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने की अपील की। संस्था प्रशासन का कहना है कि मोबाइल के अनावश्यक उपयोग से छात्रों का ध्यान भटकता है, इसलिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासित वातावरण बनाए रखने के लिए यह व्यवस्था लागू है। ताकि छात्र अपनी शिक्षा पर ध्यान दे सकें। बता दें कि छुट्टियों से पहले भी दारुल उलूम के छात्रों को इसी तरह के निर्देश दिए गए थे।

गन्ना कटाई मजदूर की 4 बेटियों ने पूरे गांव का नाम किया रोशन

- चारों की मुंबई पुलिस में हुई भर्ती

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले के एक छोटे से गांव से ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर हर कोई उसकी तारीफ कर रहा है। यहां एक गन्ना कटाई मजदूर की चार बेटियां मुंबई पुलिस में भर्ती हुई हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव को गर्व है। लोग इस बात पर गर्व कर रहे हैं कि संसाधनों के अभाव भी इन बेटियों के हौसलों की उड़ान नहीं रोक सके।

क्या है पूरा मामला?

बीड जिले के एक छोटे से गांव जीवाचीवाडी की चार बेटियों ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर एक ऐसी सफलता हासिल की, जो पूरे ज़िले के लिए प्रेरणा बन गई है। गन्ना कटाई मजदूर इनुमंत चौरे की चार बेटियां हैं, जिनमें से 2 बेटियां पहले से मुंबई पुलिस में हैं और 2 बेटियों का इस बार मुंबई पुलिस में सिलेक्शन हो गया है। इस तरह मजदूर की चारों बेटियां मुंबई पुलिस में हैं। बेटियों की इस उपलब्धि से पिता समेत पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। गांव के लोग भी अपने यहां की बेटियों की इस उपलब्धि से खुश हैं और गर्व कर रहे हैं।

कहां है जीवाचीवाडी गांव?

जीवाचीवाडी गांव पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है, जहां अधिकांश परिवार गन्ना कटाई का काम करके अपना जीवन यापन करते हैं। ऐसे क्षेत्र में जहां कई बार बेटियों की कम उम्र में ही शादी कर दी जाती है, वहीं उषा, अर्चना, गीतांजली और शीतल चौरे ने अपने सपनों को उड़ान दी और सफलता की नई कहानी लिख दी। चारों बहनों के माता-पिता आज भी गन्ना कटाई मजदूर के रूप में काम करते हैं। आर्थिक तंगी और तमाम चुनौतियों के बावजूद बेटियों की शिक्षा और उनके सपनों को पूरा करने में परिवार ने कोई कमी नहीं छोड़ी। इसी का परिणाम है कि चारों बहनें एक साथ मुंबई पुलिस बल में भर्ती होकर अपने माता-पिता का सपना साकार करने में सफल रही हैं। उनकी इस सफलता पर गांव सहित पूरे जिले में गर्व का माहौल है और हर तरफ से उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं। चारों बहनों की यह कहानी उन लोगों के लिए मिसाल है जो साधनों के अभाव में जी रहे हैं और आगे बढ़ना चाहते हैं।

राज्यसभा चुनाव में किसी भी मुस्लिम को उम्मीदवार क्यों नहीं बनाया- सरवर चिश्ती

अजमेर। देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी नए विवाद में घिरती नज़र आ रही है। अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की अंजुमन कमेटी के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने कांग्रेस सहित प्रमुख राजनीतिक दलों पर सवाल उठाएं हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में किसी भी मुस्लिम चेहरे को उम्मीदवार नहीं बनाया गया, जो मुस्लिम समाज के लिए निराशाजनक और चिंताजनक है। चिश्ती ने एक वीडियो जारी कर अपनी चिंता व्यक्त की और कांग्रेस को लपेटे में लिया। बयान में सरवर चिश्ती ने खास तौर पर कांग्रेस पार्टी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद को धर्म निरपेक्ष और सभी वर्गों की प्रतिनिधि पार्टी बताती है, लेकिन जब राज्यसभा जैसे महत्वपूर्ण सदन में प्रतिनिधित्व देने की बात आती है तो मुस्लिम समाज को नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है।

चिश्ती ने कांग्रेस को घेरा

उन्होंने सवाल किया कि आखिर देश भर में राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवारों में एक भी मुसलमान को मौका क्यों नहीं दिया गया? चिश्ती ने कहा कि मुस्लिम समाज लंबे समय से कांग्रेस का समर्थक माना जाता रहा है। लेकिन इसके बावजूद पार्टी की उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में समुदाय को कोई स्थान नहीं मिला। उन्होंने इसे राजनीतिक उपेक्षा बताते हुए कहा कि इससे मुस्लिम समाज के बीच गलत संदेश जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र में सभी वर्गों और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। राज्यसभा जैसे सदन में विविध समाजों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए, लेकिन मौजूदा चुनावों में ऐसा दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर आत्म-मंथन करने की अपील की।

मुस्लिम प्रतिनिधित्व का मुद्दा गरमाया

सरवर चिश्ती के इस बयान के बाद राज्यसभा चुनाव में मुस्लिम प्रतिनिधित्व का मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। राजनीतिक गलियारों में भी यह सवाल उठने लगे हैं कि देश की प्रमुख पार्टियों ने इस बार किसी मुस्लिम नेता को राज्यसभा भेजने का निर्णय क्यों नहीं लिया। दरगाह अजमेर से उठी इस आवाज़ ने कांग्रेस को विशेष रूप से कठघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्षी दल भी इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से भुनाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में राज्यसभा चुनाव के बीच मुस्लिम प्रतिनिधित्व का सवाल कांग्रेस के लिए असहज स्थिति पैदा करता दिखाई दे रहा है।

सम्मान आपके द्वार कार्यक्रम में पत्रकार मोहम्मद अली पठान को किया सम्मानित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शिक्षक दंपति अमर सिंह किशनावत और मनीषा चारण के सौजन्य से आयोजित सम्मान आपके द्वार कार्यक्रम के तहत निडर पत्रकार मोहम्मद अली पठान का अभिनंदन किया गया। यहां पठान के आवास पर हुए एक सादा समारोह में आयोजक अमर सिंह किशनावत और फिल्म निर्माता निर्देशक एवं लेखक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने माल्यार्पण करके, शॉल ओढ़ाकर, मैडल पहनाकर, प्रतीक चिन्ह और कलम भेंट करके मोहम्मद अली पठान का सम्मान किया। आयोजक मनीषा चारण ने बताया कि सम्मान आपके द्वार कार्यक्रम वर्ष 2020 से सतत रूप से चल रहा है। चारण ने बताया कि अब तक इस कार्यक्रम के तहत पत्रकार शिव नंदन शर्मा, पत्रकार, कवि एवं अभिनेता आशीष गौतम आशु, डॉक्टर ओमवीर सिंह, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कलाकार चौथ मल जांगिड़, समाज सेवी देवेन्द्र जोशी, राजकीय विधि महाविद्यालय चूरू के प्राचार्य डॉक्टर एस के सैनी, खेल अधिकारी ईश्वर सिंह लाम्बा, प्रधानाचार्य गिरधारी स्वामी, प्राचार्य डॉक्टर जेबी खान, अभिनेता नागेन्द्र सिंह शेखावत, पोस्टर डिज़ाइनर दिनेश कुमार सैनी, छात्रा किरण चारण, पेंटर योगेश सोनी सहित 200 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया जा चुका है। शिक्षक दंपति अमर सिंह किशनावत और मनीषा चारण द्वारा विभिन्न सरकारी संस्थानों

और सार्वजनिक स्थानों पर हजारों पौधे लगाए हैं। इनके द्वारा लगातार पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। मनीषा चारण ने बताया कि यह कार्यक्रम निरंतर जारी रहेगा। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण हेतु पोस्टर का विमोचन किया गया। पत्रकार मोहम्मद अली पठान ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। फिल्म निर्माता निर्देशक और लेखक राजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि मोहम्मद अली पठान जैसे सच्चे पत्रकारों के कारण ही आज पत्रकारिता जिन्दा है।

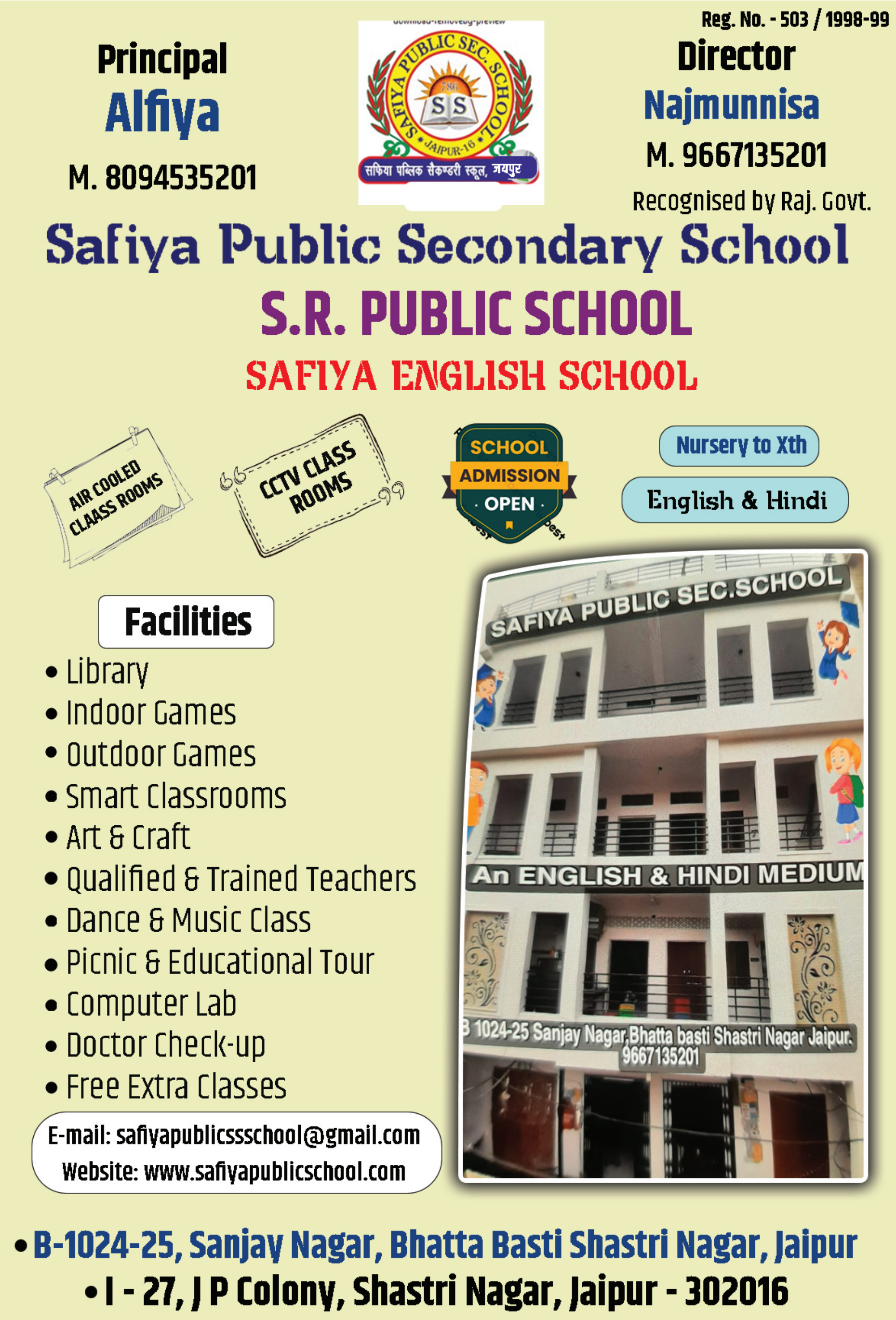

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com